RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 51 ता. 17 अगस्त 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

शैंपू की बोतल में मिली 20 करोड़ की कोकीन, विदेशी महिला गिरफ्तार

मुंबई, । मुंबई हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा की गई एक कार्रवाई में शैम्पू की बोतलों में 20 करोड़ रुपये की कोकीन मिली। इस मामले में नैरोबी से आई एक विदेशी महिला को डीआरआई ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. प्राप्त खबर के अनुसार डीआरआई को सूचना मिली थी कि एक विदेशी महिला कोकीन लेकर मुंबई आ रही है. जिसके बाद नैरोबी से आई लकी नाम की महिला को मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोका गया. जब उसके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें शैंपू की दो बोतलें मिलीं। शैंपू की बोतलों में 1983 ग्राम चिपचिपा तरल पदार्थ पाया गया. इन बोतलों को जब्त कर लिया गया. जांच से पता चला कि उस चिपचिपे पदार्थ में कोकीन है. दरअसल महिला ने शैंपू की बोतलों में कोकीन छिपा रखी थी। जब्त की गई कोकीन की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है. इस मामले में मादक द्रव्य नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है. डीआरआई ने बताया कि महिला फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

अग्नि मिसाइल के जनक का निधन

हैदराबाद । देश के जाने-माने एयरोस्पेस साइंटिस्ट और अग्नि मिसाइल के जनक डॉ राम नारायण अग्रवाल का गुरुवार को निधन हो गया। उन्होंने 83 साल की उम्र में हैदराबाद स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। वे कुछ समय से बीमार थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। आरएन अग्रवाल ने भारत में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में अहम भूमिका निभाई थी। वे अग्नि मिसाइलों के पहले प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। उन्हें अग्नि मैन के नाम से भी जाना जाता था। उन्हें 1990 में पद्म श्री और 2000 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

अयोध्या जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अब अलीगढ़ में रुक रही

अलीगढ़ । अयोध्या जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव अलीगढ़ स्टेशन पर शुक्रवार से शुरू हो गया। सांसद सतीश गौतम ने हरी झंडी दिखाकर कर अयोध्या के लिए रवाना किया। ट्रेन के आगमन पर पुष्प वर्षा व ढोल लंगाड़े से स्वागत किया गया।इस दौरान हाथरस के सांसद अनूप प्रधान, जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, विधायक मुक्ता राजा संजीव,विधायक अनिल पाराशर, मेयर प्रशांत सिंघल,पूर्व महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत, पार्षद संजय पंडित, पुष्पेंद्र जादौन,भाजपानेता शिवनारायण शर्मा, मानव महाजन आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी 22 सितंबर को जाएंगे अमेरिका

नई दिल्ली, । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक सेशन के लिए अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे और वहां प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले है। यह कार्यक्रम 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड के नासाउ कोलियम में आयोजित होगा। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की अंतिम सूची के अनुसार, पीएम मोदी 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने वाले है। सूत्रों ने बताया कि लॉन्ग आइलैंड में सामुदायिक कार्यक्रम के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। यह आयोजन मोदी द्वारा सितंबर 2014 में न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध मैडीसन स्क्वायर गार्डन में एक सभा को संबोधित करने के 10 साल बाद होगा। मोदी ने 2019 में टेक्सास के ह्यूस्टन में एनआरजी स्टेडियम में एक कार्यक्रम हाउडी मोदी को संबोधित किया था, जहां उनके साथ अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हुए थे। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की उच्च स्तरीय बैठक 24-30 सितंबर तक होगी। यह सूची अंतिम नहीं है और संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय सत्र से पहले के सप्ताहों में वक्ताओं की अपडेट सूची जारी करता है।बताया जा रहा हैं कि न्यूयॉर्क में भविष्य संबंधी संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन के इतर क्वाड शिखर सम्मेलन हो सकता है।इस साल चार देशों के समूह क्वाड सम्मेलन की मेजबानी करने की बारी भारत की है।क्वाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। भारत ने जनवरी में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना बनाई थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के भारत की यात्रा करने में असमर्थ होने के कारण ऐसा नहीं हो सका।

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले-

2047 तक पूरा होगा विकसित भारत का संकल्प

नई दिल्ली ।

78वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले पर तिरंगा फहराया। अपने 103 मिनट के भाषण में पीएम ने कहा कि देश में अगले 5 साल में 75 हजार मेडिकल सीटें बढ़ाई जाएंगी। पीएम ने कहा कि 2047 विकसित भारत हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। ये देश चलने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं तीसरे टर्म में तीन गुना काम करूंगा। ताकि देश के सपनों को पूरा कर सकूं। अब दुनिया के लिए डिजाइनिंग इंडिया पर बल देना है, अब इंडियन स्टैंडर्ड, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बनने चाहिए। डिजाइन के क्षेत्र में हम दुनिया को बहुत कुछ दे सकते हैं।वहीं कोलकाता रेप-मर्डर पर उन्होंने कहा- ऐसे राक्षसों को फांसी पर लटका दिया जाए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देशवासियों को माई-बाप कल्चर से गुजरना पड़ा था। हमने गर्वनेंस के इस मॉडल को बदला है। देश में 75 सालों से कम्युनल सिविल कोड है।

अब देश को सेक्युलर सिविल कोड की जरूरत है।हर चुनौती पार करेंगेप्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वज सिर्फ 40 करोड़ थे, उन्होंने गुलामी जंजीरों को तोड़ दिया था।हमारे पूर्वजों का खून हमारी रगों

में है। अगर 40 करोड़ गुलामी की बेडियाों को तोड़ सकते हैं, तो 140 करोड़ नागरिक अगर संकल्प लेकर चल पड़ें, तो चुनौतियां कितनी बड़ी क्यों न हो, हर चुनौती को पार करते हुए हम समृद्ध भारत बना सकते हैं। हम 2047 विकसित भारत का संकल्प प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि देशवासियों ने अपने अनुभव से हमें विकसित भारत बनाने के सुझाव दिए हैं।

बांग्लादेश में जो हो रहा वह याद दिलाता है आजादी कितनी अहम है :सीजेआई

नई दिल्ली,।

दिल्ली में 78वें स्वतंत्रता दिवस पर एक कार्यक्रम में देश की सर्वोच्च अदालत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता हमारे लिए कितनी कीमती है। हमने 1950 में संविधान अपनाया और इसका अनुसरण किया। यही वजह है कि स्वतंत्रता में किसी प्रकार का दखल नहीं है। आजादी को हल्के में नहीं ले सकते। ये कितनी अहम है, अतीत की कहानियों से समझा जा सकता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि आज का दिन हमें संविधान के सभी मूल्यों को साकार करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की याद दिलाता है।सीजेआई ने कहा कि वह एक जस्टिस के रूप में अपने दिल पर हाथ रखकर कह सकता हूं कि कोर्ट का काम उतना ही संघर्ष भरा है जितनी एक आम आदमी की जिंदगी। कोर्ट में सभी धर्म, जाति, लिंग, गांव और शहरों के लोग आते हैं। इन सभी को चुनिंदा संसाधनों और दायरे में रहकर न्याय दिलाना होता है। यह उतना आसान काम नहीं है।उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में देश ने क्या झेला, उस वक्त संविधान और कानून की क्या स्थिति थी, ये सभी जानते हैं। हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों को सलाम करना चाहिए, जिन्होंने आजादी के संघर्ष में शामिल होने के लिए वकालत तक छोड़ दी। बाबा साहेब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, सर सैयद मोहम्मद सादुल्लाह, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, गोविंद वल्लभ पंत, देवी प्रसाद खेतान जैसे कई महापुरुषों ने खुद को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया था। ये सभी भारत की आजादी के नायक थे। इन्होंने एक स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना में भी योगदान दिया।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव 2024 में?

नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव समय के पहले कराए जा सकते हैं।इसके लिए दिल्ली चुनाव आयोग ने तैयारी शुरू कर दी हैं।

दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने एमसीडी के कर्मचारियों को चुनाव संबंधी प्रशिक्षण देने के लिए तैयारी शुरू करने को कहा है। एमसीडी द्वारा दिल्ली चुनाव आयोग के निर्देश पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिए जाने का काम भी शुरू कर दिया गया है।केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है।महाराष्ट्र और झारखंड के बारे में केंद्रीय चुनाव आयोग ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संभावना व्यक्त की जा रही है। दिसंबर 2024 में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होंगे। इसके लिए चुनाव आयोग को दिल्ली का विधानसभा चुनाव समय के पहले कराना पड़ेगा। वहीं महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के बाद संभव होगा।

केंद्रीय चुनाव आयोग को यह अधिकार है, कि वह राज्यों के चुनाव समय के पहले भी करा सकता है।

कार्यकाल खत्म होने के 6 महीने के अंदर चुनाव अनिवार्य रूप से कराना होते हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली विधानसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हल्कों में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस संबंध में अधिकृत रूप से अभी कुछ नहीं कहा गया है।

राहुल गांधी की नागरिकता रद्द करने की मांग

दिल्ली हाईकोर्ट में सुब्रह्मण्यम स्वामी ने लगाई याचिका

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर चर्चा में हैं। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है और राहुल की भारतीय नागरिकता रद्द करने के लिए गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाने की मांग की है। इस याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई हो सकती है। याचिका में सुब्रह्मण्यम स्वामी का कहना है कि उन्होंने राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर गृह मंत्रालय को पांच साल पहले शिकायत दी थी। अभी तक गृह मंत्रालय ने ये साफ नहीं किया कि इस मसले पर उसने क्या फैसला लिया है या कार्रवाई की है?कोर्ट गृह मंत्रालय से उनकी दायर

याचिका पर अब तक की गई कार्रवाई पर स्टेटस रिपोर्ट तलब करे। राहुल की नागरिकता पर आरटीआई से मांगी गई जानकारी की अर्जी के जवाब में केंद्र सरकार ने किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया था। एक व्यक्ति ने सूचना के अधिकार यानी आरटीआई के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय से राहुल की नागरिकता मामले में जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में मंत्रालय ने कहा कि **आरटीआई अधिनियम की धारा 8 (1) (एच) और (जे) के तहत कोई खुलासा नहीं किया जा सकता है।** जानकारी देने से जांच प्रक्रिया में बाधा पहुंचेगी।

भाजपा का टीएमसी पर हमला...

ममता कब देगी इस्तीफा

कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीजी प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के बलात्कार-हत्या के विरोध में जूनियर डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच भाजपा भी ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर हमलावर है।

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा कि राज्य की मशीनरी ध्वस्त हो चुकी है। भाटिया ने कहा कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय जैसे संवैधानिक जांच और संतुलन हैं। ममता बनर्जी को समझने की जरूरत है कि आप सच्चाई की हत्या नहीं कर सकती। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट को पश्चिम बंगाल सरकार और पुलिस पर भरोसा नहीं है।

इसीलिए जांच सीबीआई को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी इस घटना की जिम्मेदारी कब लेंगी? वे कब इस्तीफा देंगी? ममता के पास एक मिनट भी मुख्यमंत्री बने रहने का कोई नैतिक अधिकार, कानूनी अधिकार या संवैधानिक औचित्य नहीं बचा है। भाजपा नेता पूनावाला ने आरोप लगाया कि ममता ने बंगाल के नागरिकों को निराश किया है। वे अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में विफल रही हैं।

उन्होंने कहा कि 14-15 अगस्त को जो हिंसा हुई, वह बाम और राम ने की। टीएमसी की हिंदू विरोधी मानसिकता इस संवेदनशील मामले में भी नहीं टिकती।

खुलासा....हसीना के लिए भारत ने की थी बाइडेन प्रशासन से लॉबिंग

भारतीय अधिकारियों ने तर्क दिया था कि अगर विपक्ष को चुनाव में सत्ता हासिल करने की अनुमति मिलती हैं, तब बांग्लादेश इस्लामी गुटों के लिए पनाहगाह बन जाएगा,

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में छात्र विरोध प्रदर्शनों के बीच पूर्व पीएम शेख हसीना को हाल ही में पद से हटने के बाद पड़ोसी देश में उठापटक को दौर जारी है। इस बीच पिछले एक साल में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच जटिल कूटनीतिक लेन-देन के बारे में रिपोर्टें सामने आई हैं। रिपोर्ट में दोनों देशों के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि उन्हें पद से हटाने से एक साल पहले, भारतीय राजनयिकों ने बांग्लादेश की लंबे समय से सत्तावादी प्रधानमंत्री हसीना पर दबाव कम करने के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों से सक्रिय रूप से पैरवी की थी।बाइडेन प्रशासन जनवरी में विवादास्पद चुनाव से पहले राजनीतिक विरोधियों और कथित मानवाधिकार हनन पर कठोर कार्रवाई के लिए हसीना की आलोचना करता रहा है। अमेरिका ने हसीना की कमान के तहत एक बांग्लादेशी पुलिस इकाई पर प्रतिबंध लगाया था, जिस पर न्यायेतर हत्याओं का आरोप था और लोकतंत्र को कमजोर करने में शामिल बांग्लादेशियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। जवाब में, विपक्ष के सत्ता में आने पर इस्लामी समूहों के संभावित उदय के बारे में चिंतित भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका से अपने लोकतंत्र समर्थक रुख को नरम करने का आग्रह किया।रपोर्ट में भारतीय सरकारी सलाहकार के हवाले से कहा गया है, आप इन्हें लोकतंत्र के स्तर पर देखते हैं, लेकिन हमारे लिए, मुद्दे बहुत अधिक गंभीर हैं। भारतीय सरकारी सलाहकार ने कहा, अमेरिकियों के साथ बहुत सी बातचीत में कहा, यह हमारे लिए एक मुख्य चिंता का विषय है, और आप हमें रणनीतिक साझेदार के रूप में नहीं ले सकते, जब तक कि हमारे पास किसी तरह की रणनीतिक सहमति न हो। भारतीय अधिकारियों ने तर्क दिया था कि अगर विपक्ष को चुनाव में सत्ता हासिल करने की अनुमति मिलती हैं, तब बांग्लादेश इस्लामी गुटों के लिए पनाहगाह बन जाएगा, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाएगा। इसके कारण बाइडेन प्रशासन ने अपनी आलोचना को नरम कर हसीना सरकार के खिलाफ आगे प्रतिबंधों की धमकियों को टाल दिया, जिससे कई बांग्लादेशी निराश हुए। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यह एक सोचा-समझा कदम था जिसका संबंध भारतीय लॉबिंग से था। बता दें कि प्रदर्शनकारियों ने हसीना के आधिकारिक आवास पर मार्च किया, जिसके कारण उन्हें भारत भागने पर मजबूर होना पड़ा। अब नई दिल्ली और वाशिंगटन के नीति निर्माताओं को यह पुनर्मूल्यांकन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है कि क्या उन्होंने बांग्लादेश में स्थिति को ठीक से नहीं संभाला।

यूपी में सीएम योगी ने बनाया नया रिकॉर्ड, अखिलेश, मुलायम और मायावती को छोड़ा पीछे

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने नाम एक और रिकॉर्ड कर लिया है। सीएम योगी उत्तर प्रदेश में सबसे लंबे समय 7 वर्ष 148 दिन तक कार्यकाल संभालने रिकॉर्ड सीएम बन गए है। इससे पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद थे, जो इस पद पर सबसे ज्यादा समय तक रहे हैं। सीएम योगी विधान भवन पर लगातार आठवीं बार ध्वजारोहण करने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं।योगी आदित्यनाथ ने लगातार सात वर्ष 148 दिन तक सीएम बनने का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सीएम योगी से पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद थे, जो इस पद पर सबसे ज्यादा समय तक रहे हैं। विदित हो कि चौधरी चरण सिंह, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती सीएम योगी आदित्यनाथ के रिकॉर्ड के आसपास भी नहीं है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने चार बार यूपी की सीएम रहीं जबकि समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह ने तीन बार सीएम पद की शपथ ली, लेकिन फिर भी कोई यह रिकॉर्ड अपने नाम न कर सका। बसपा सुप्रीमो मायावती ने चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन उनका पूरा कार्यकाल सात साल 16 दिन का था, मुलायम सिंह यादव तीन बार मुख्यमंत्री बने, तो मुलायम सिंह यादव का कुल कार्यकाल छह वर्ष 274 दिन का रहा था। सीएम योगी आदित्यनाथ की गिनती उन नेताओं में होती है, जिनके नेतृत्व में बीजेपी ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई है। 25 मार्च 2022 को योगी ने जब मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो उन्होंने नारायण दत्त तिवारी का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा दिया था। नारायण दत्त ने साल 1985 में अविभाजित उत्तर प्रदेश में दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उत्तराखंड बनने के बाद योगी प्रदेश के पहले ऐसे सीएम हैं, जो लगातार दूसरी बार सत्ता में पूरी तरह से काबिज हुए हैं। वहीं योगी ने लोगों का यह मिथक भी दूर किया की नोएडा जाने से कुर्सी चली जाएगी। उन्होंने सीएम के पद पर रहते हुए कई बार नोएडा आकर कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल आरएन रवि के जलपान कार्यक्रम में शामिल हुए स्टालिन

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों ने राजभवन में राज्यपाल आरएन रवि द्वारा आयोजित 'जलपान कार्यक्रम' (एट होम रिसेप्शन) में हिस्सा लिया। पारंपरिक कार्यक्रम में स्टालिन की भागीदारी महत्वपूर्ण है, क्योंकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि इसमें पार्टी का कोई प्रतिनिधि नहीं होगा।कांग्रेस सहित द्रमुक के सहयोगियों ने साफ किया कि वे जलपान कार्यक्रम का बहिष्कार करेंगे, क्योंकि राज्यपाल ने 'राज्य के हितों' के खिलाफ काम किया है। विद मंत्री थंगम थेनारासु ने कहा कि राजनीतिक दृष्टिकोण और विचारधारा के लिहाज से राज्यपाल और द्रमुक के बीच मतभेद हैं, लेकिन राज्यपाल का कार्यालय एक संस्था है। हमारे मुख्यमंत्री हमेशा संस्था, राज्यपाल के कार्यालय को उचित सम्मान देते रहे हैं। उसी आधार पर, राज्यपाल को आमंत्रण स्वीकार किया और हम भाग ले रहे हैं।' मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को शॉल एवं पुस्तक भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु के अलावा दुरईमुरुगन, उदयनिधि स्टालिन तथा के पोनमुडी सहित राज्य के कई मंत्रियों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित 'जलपान कार्यक्रम' में भाग लिया

जम्मू-कश्मीर में बसपा अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनावः मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि बसपा यह चुनाव अकेले लड़ेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लोकतंत्र में चुनाव की अहम भूमिका, जिससे बहुत सारी समस्याओं का समाधान संभव है।'' उन्होंने कहा कि पार्टी लंबे इंतजार के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए आज तिथि की घोषणा होने का स्वागत करती है ताकि वहां संविधान के हिसाब से राजनीतिक व लोकतांत्रिक गतिविधियां जोर पकड़ सकें। उन्होंने कहा कि बसपा यह चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं, एक अन्य पोस्ट में बसपा प्रमुख ने हरियाणा में एक चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव का भी स्वागत करते हुए कहा, ''वहां बसपा का इंडियन नेशनल लोकदल के साथ मजबूत गठबंधन पहले से जमीन पर सक्रिय है।'' उन्होंने कहा कि बसपा का संकल्प पूरी दमदारी के साथ यह चुनाव लड़कर खुद अपनी गठबंधन की सरकार बनाने का है।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव का ऐलान 4 अक्टूबर को रिजल्ट

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में 3 चरण में चुनाव होंगे जबकि हरियाणा में एक ही चरण में वोटिंग खत्म हो जाएगी। हरियाणा में भी विधानसभा की 90 सीटें हैं जबकि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में नए परिसीमन के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 90 हो गई है। जम्मू-कश्मीर में पहले चरण के लिए 18 सितंबर, दूसरे चरण के लिए 25 सितंबर और तीसरे चरण के लिए 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। वहीं, हरियाणा की सभी सीटों पर 1 अक्टूबर को मतदान होंगे। दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 4 अक्टूबर को एक साथ सामने आएंगे। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। वहीं, अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार लोग विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेंगे। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं, राज्य में करीब 10 सालों से बीजेपी सत्ता में है। हालांकि 2019 चुनाव में बीजेपी बहुमत से 6 सीटें कम 40 सीट ही जीत पाई थी, लेकिन निर्दलीयों और जेजेपी के साथ गठबंधन कर वह सरकार बनाने में कामयाब रही।

मुंबई पुलिस की मदद से कारोबारी को वापस मिला 25 लाख का सोना

मुंबई । मुंबई पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक परिवार ने पश्चिमी मुंबई के जोगेश्वरी में एक कैब में 25 लाख रुपये के सोने से भरा बैग छोड़ दिया था। पुलिस की मदद से बैग को तलाश कर परिवार को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि 46 वर्षीय कारोबारी नजीर उल हसन ने 10 अगस्त को ओशिवारा पुलिस थाने में आपूषणों के गुम होने की शिकायत की थी। जिसके बाद से पुलिस तलाश में जुट गई थी। हसन की शिकायत के मुताबिक उनका परिवार 9 अगस्त को पड़ोसी पालघर जिले के वसई से उबर कैब में जोगेश्वरी गया था। जोगेश्वरी के आदर्श नगर में उतरने के बाद परिवार ने सामान लिया लेकिन बाद में चला कि उनका एक बैग गायब है। कैब के ड्राइवर को कॉल करने पर भी उचित जवाब नहीं मिला। वहीं हसन ने फिर फोन किया, तब ड्राइवर फोन ही नहीं उठा रहा था। कैब ड्राइवर की तरफ से सहयोग नहीं करने पुलिस को उस पर शक हुआ। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद हम कैब ड्राइवर की पत्नी का फोन नंबर खोजने में कामयाब हुए। जब जांच टीम ने कैब ड्राइवर की पत्नी को फोन कर बताया कि बैग उसके पास है।

आरक्षण के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की जरूरत : अजित पवार

आज शुरु होगी मुख्यमंत्री लाडकी बहन योजना'

मुंबई ।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मराठा कोटा मुद्दे पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक की बात कही है। पवार ने अपनी 'जन सम्मान यात्रा' के दौरान कहा कि विपक्षी दलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि वे भी लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।उन्होंने कहा, ''मराठा कोटा कार्यकर्ता मनोज जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत कोटा चाहते हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कोटा मुद्दे पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई थी लेकिन विपक्ष दूर रहा। मुझे नहीं पता कि बहिष्कार जानबूझकर किया गया था। डिप्टी सीएम पवार ने 'मुख्यमंत्री लाडकी बहन योजना' की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना को 17 अगस्त को बालेवाड़ी में कार्यक्रम में शुरू किया जाएगा और इसके लाभार्थियों को जुलाई और अगस्त के लिए पैसा मिलेगा। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की सहायता मिलेगी बशर्ते उनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये से कम हो। इस योजना की शुरुआत से जुड़े कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल होने वाले है। योजना को सरकारी खजाने पर बोझ डालने वाला चुनावी हथकंडा बताने पर विपक्ष की आलोचना कर पवार ने कहा कि उन्होंने 10 बजट पेश किए हैं और उन्हें वित्त के बारे में जानकारी है।

संसाधन जुटाने के मुद्दे पर पवार ने कहा कि देश के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में महाराष्ट्र का हिस्सा 16 प्रतिशत है, जिसमें से 50 प्रतिशत राज्य को वापस मिल जाता है।

पीएम मोदी के साथ मौजूद.....कौन हैं ये हॉकी वाली सरपंच

जयपुर ।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले की हॉकी वाली महिला सरपंच नीरू यादव फिर सुर्खियों में है। उन्होंने राजस्थान का फिर मान बढ़ाया है। दिल्ली में आयोजित हुए 78वें स्वतंत्रता दिवस पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नीरू को आमंत्रित किया। इस दौरान सरपंच नीरू यादव ने लाल किले पर आयोजित ऐतिहासिक समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। नीरू के अलावा देश की 150 सशक्त महिलाओं को भी पीएम नरेंद्र मोदी ने यह बड़ा मौका दिया है। बता दें कि महिला सरपंच नीरू यादव अपने गांव में लड़कियों के लिए हॉकी का खेल मैदान बनाकर लड़कियों को ट्रेनिंग दिलवाती हैं।लांबी अहीर ग्राम पंचायत की महिला सरपंच नीरू अपने नवाचार के कारण देश की सुर्खियों में रही। उन्होंने गांव की लड़कियों को हॉकी का प्रशिक्षण मिल सके। इसके लिए हॉकी का मैदान बनवाया। इसी नवाचार से प्रभावित होकर पीएम मोदी ने इस बार उन्हें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया। इसके अलावा पंचायत राज विभाग की ओर से अंबेडकर भवन नई दिल्ली में उन्हें सम्मानित भी किया। इसके अलावा उनके गांव में करवाए गए नवाचार को लेकर 5 मिनट के डॉक्यूमेंट्री भी देश के नाम कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई।नीरू 2020 में चुनाव जीतकर लांबी अहीर गांव की सरपंच बनीं। उन्होंने अपने सरपंच बनने के बाद गांव में कई नवाचार किए। इस दौरान उनके मन में लड़कियों की हॉकी टीम बनाने के लिए विचार आया। उन्होंने लड़कियों की हॉकी टीम बनाने के लिए हॉकी ग्राउंड बनवाया और अपनी सैलरी से एक कोच नियुक्त किया, जो लड़कियों को ट्रेनिंग देता है। इसके बाद से उन्हें 'हॉकी वाली सरपंच' के नाम से जाना जाने लगा।

जॉब गारंटी के अध्यादेश को मिली मंजूरी, कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

चंडीगढ़,।

हरियाणा सरकार द्वारा अनुबंधित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति तक की जॉब गारंटी के लिए लाए गए अध्यादेश पर राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। इसे अब हरियाणा सेविदा कर्मचारियों (सेवा सुरक्षा) अध्यादेश, 2024 के नाम से जाना जाएगा। इस अध्यादेश में किसी भी सरकारी अधिकारी, कर्मचारी अन्य किसी व्यक्ति या प्राधिकरण के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकेगा। पात्र अनुबंधित कर्मचारी सेवानिवृत्ति तक काम कर सकेगा। गेस्ट टीचर को भी इनकी तरह सभी सुविधाएं दी जाएंगी। इस अध्यादेश का 1.20 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को फायदा पहुंचेगा।यह अध्यादेश सरकार के विभागों, बोर्ड, निगमों में अनुबंध पर नियुक्त कर्मचारियों पर लागू होगा। उसकी आय मासिक 50 हजार रुपए तक होनी चाहिए। कर्मचारी को हरियाणा कौशल रोजगार निगम द्वारा संविदा नीति-2022 के तहत तैनात होना चाहिए। कम से कम पांच साल की सर्विस जरुरी है। सेवा की अवधि में किसी भी स्वीकृत छुट्टी की अवधि शामिल रहेगी। इस अध्यादेश को 15 अगस्त की पूर्व संध्या पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंजूरी दे दी। सीएम सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

सरकार जितनी भी घोषणाएं कर रही हैं, उन्हें धरातल पर लागू भी किया जा रहा है। प्रदेश के अतिथि अध्यापकों की तर्ज पर विभागों, बोर्ड-निगमों और स्वायत्त संस्थानों में लगे इन कच्चे कर्मचारियों की सेवाएं 58 साल तक के लिए तय कर दी गई हैं। सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में पिछले गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया था और कल यानी 15 अगस्त को इस अध्यादेश ला दिया, जिसके मुताबिक अब किसी कॉन्ट्रैक्ट के कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी।

दुनिया भर में चैटजीपीटी की सर्विस ठप होने से यूजर्स हुए परेशान

नई दिल्ली,।

दुनिया भर में गुरुवार-शुक्रवार रात ओपनआईए चैटजीपीटी की सर्विस ठप हो गई जो वापस पटरी पर लौट आई है। दुनियाभर के यूजर्स को इसका सामना करना पड़ा है। भारत में भी यूजर्स को दिक्कत हुई। चैटजीपीटी दुनियाभर के सबसे पॉपुलर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में से एक है। कंपनी ने कहा है कि इस समस्या को सुलझा लिया गया है। आउटेज की दिक्कत करीब एक घंटे रही, जिसकी वजह से ऐप्लिकेशन बार-बार फेल हो रहा था। इसका असर ओपनआईए प्लेग्राउंड असिस्टेंट पर भी पड़ा। लेटेस्ट अपडेट में कंपनी ने कहा है कि दिक्कत को दूर कर लिया है। ग्लोबल आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडेटेक्टर पर भी ओपनआईए

चैटजीपीटी के डाउन होने की शिकायत मिली। इस प्लेटफॉर्म पर रात को सैकड़ों लोगों ने सर्विस के डाउन होने के शिकायत की थी। 80 फीसदी लोगों को चैटजीपीटी से जुड़ी दिक्कत हो रही थी। वहीं 17 फीसदी लोगों को वेबसाइट पर दिक्कत थी। तीन फीसदी ऐप्स यूजर्स इस आउटेज से प्रभावित थे। बता दें कि हाल में माइक्रोसॉफ्ट आउटेज काफी ज्यादा चर्चा में रहा था। क्राउडस्ट्राक के अपडेट के बाद दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की कई सर्विसेस ठप हो गई थी। इसका प्रभाव एयरलाइन और बैंकिंग सेक्टर पर भी पड़ा था। दुनियाभर के तमाम विंडो यूजर्स को डेड ब्लू स्क्रीन दिख रही थी। इस दिक्कत को दूर करने में कंपनी को बहुत समय लग गया था।

इसकी वजह से दुनिया के कई क्षेत्रों में फ्लाइट देर से उडी और लैंड हो रही थी।

जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक सर्जरी..... कई अधिकारियों का तबादला

जम्मू ।

विधानसभा चुनावों की संभावित घोषणा से पहले जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बड़े पैमाने पर फेरबदल हुआ है, जिसमें डिप्टी कमिश्नरों सहित कई प्रमुख अधिकारियों का तबादला हुआ है। यह कदम चुनाव आयोग के उस निर्देश के बाद उठाया गया है जिसमें कहा गया था कि अपने गृह जिलों में तैनात अधिकारियों को दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाए जहां चुनाव होने वाले हैं। जम्मू-कश्मीर में एक महत्वपूर्ण फेरबदल कर आईजीपी और डीआईजी सहित 30 से ज्यादा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस में बड़े पैमाने पर फेरबदल के साथ ही राज्य को खुफिया प्रकोष्ठ को भी नया प्रमुख मिला है। जिनका फेरबदल हुआ है, उसमें आठ डीआईजी, 14 एसएसपी सहित 24 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। एक सरकारी आदेश के अनुसार, गुरिंदरपाल सिंह, एआईजी (पी एंड टी) पीएचक्यू को एसएसपी बारामुल्ला के पद पर स्थानांतरित किया गया है, जबकि नागपुरे आमोद अशोक, एसएसपी बारामुल्ला को एसएसपी उधमपुर के पद पर स्थानांतरित किया गया है। अमृतपाल सिंह, सीओ आईआर-2 को एसएसपी (टेक) सीआईडी मुख्यालय के पद पर स्थानांतरित किया है, जबकि मुमताज अहमद, सीओ 1 बॉर्डर बटालियन, जम्मू को एसएसपी पुंछ के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

मोहम्मद असलम, सीओ जेकेएपी-13 को एसएसपी डोडा के पद पर स्थानांतरित किया है, एसएसपी गंदेरबल को एआईजी (टेक) पीएचक्यू के पद पर स्थानांतरित किया गया है। अनायत अली चौधरी, एसएसपी कठुआ को एसएसपी शोपियां के पद पर स्थानांतरित किया गया है, जबकि तनुश्री, एसएसपी शोपियां को एसपी एसआईए कश्मीर के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

कभी भी किसी के साथ ओटीपी शेयर न करें : सुप्रिया सुले

- एक्स पर एक पोस्ट में सुले ने लोगों से आग्रह किया

नई दिल्ली ।

पिछले हफ्ते एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने दावा किया है कि उनका फोन हैक हो चुका है। सुले ने कहा कि उनके वॉट्सऐप अकाउंट की हैकिंग के बाद हैकर्स ने उन्हें एक मैसेज भेजा है। इस मैसेज में सुले से 400 डॉलर यानी (33,585.94 रुपये) की मांग की गई।बाद में, एक्स पर एक पोस्ट में, सुले ने लोगों से आग्रह किया कि वे 'कभी भी किसी के साथ ओटीपी शेयर न करें या अनजान लिंक पर क्लिक न करें'। उन्होंने लिखा, 'फोन और वॉट्सऐप अब फिर से काम कर रहे हैं।' साथ ही उन्होंने मदद के लिए पुणे ग्रामीण पुलिस और वॉट्सऐप सपोर्ट को धन्यवाद किया। लेकिन सवाल ये है कि अगर वॉट्सऐप एन्क्रिप्टेड है तो ये हैकिंग कैसे हो जाती है तो बता दें कि कई बार हैकिंग हमारी छोटी सी गलती या लापरवाही के कारण भी ऐसा हो सकता है। जैसा कि सुप्रिया सुले ने सलाह दी कि किसी के साथ ओटीपी से शेयर नहीं करना चाहिए। होता क्या है कि अगर आपने वॉट्सऐप पर टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन भी रखा है तो भी आपको थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन से सिक्योरिटी काफी बढ़ जाती है, जिसके लिए आपको एक पिन सेट करना पड़ता है। वॉट्सऐप आपसे कभी-कभी इस पिन को डालने के लिए कहता है, जिसके बाद ही वॉट्सऐप चैट को एक्सेस किया जा सकता है। अगर आप ये सिक्योरिटी पिन किसी के साथ अनजाने में शेयर कर देते हैं या फिर किसी को पता चल जाता है तो आपके अकाउंट के हैक होने का पूरा चांस रहता है। जब ऑन रहता है तो जब भी लिंक्ड डिवाइस के लिए फोन नंबर डाल कर लॉगइन किया जाता है तो फोन पर एक रजिस्ट्रेशन कोड आता है। तो अगर आपको कोई झांसा देकर आपसे वह कोड हासिल कर लेता है तो वह आपके अकाउंट का पूरा एक्सेस ले सकता है, और इस्तेमाल करके किसी को भी मैसेज भेज सकता है। तीसरा कारण जिस वजह से हैकिंग हो सकती है, वह ये है कि अगर आपको मैसेज या ईमेल के जरिए कोई अनजान लिंक मिलता है और आप गलती से भी उसपर क्लिक कर देते हैं तो आपका फोन हैक होने का डर रहता है। अगर किसी के पास आपके फोन का एक्सेस चला गया तो वह वॉट्सऐप के तक तो आराम से पहुंच सकता है।मालूम हो कि वॉट्सऐप हमारी लाइफ का एक अहम हिस्सा बन चुका है, और रोजमर्रा के कई काम अब इसके बिना मुमकिन ही नहीं लगते हैं। वॉट्सऐप की एक बात

जो सबसे खास है, वह ये है कि इसके मैसेज एन्क्रिप्शन के साथ आते हैं। कंपनी हमेशा ये दावा करती है कि इसपर शेयर किए जा रहे मैसेज, टेक्स्ट, फोटो, वीडियो सबकुछ एंड टू एंड एन्क्रिप्टेड होते हैं, और कोई इसमें ताक-झांक या छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। लेकिन जब कई लोग ये शिकायत करते हैं कि उनका वॉट्सऐप हैक हो गया है तो ऐसा कैसे हो जाता है।

कामाख्या देवी में श्रद्धालुओं को मिलेगी ये सुविधा....घंटों के दर्शन मिनटों में

गुवाहाटी ।

कामाख्या देवी का सफर आसान होने वाला है। श्रद्धालुओं को पहाड़ी चढ़ने की जरूरत नहीं होगी और समय की बचत होगी। घंटों का सफर मिनटों में पूरा होगा। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोपवे का निर्माण कर रहा है। इस वर्ष अंत तक टेंडर जारी हो जाएगा और फिर काम शुरू हो जाएगा। नेशनल हाईवे अथारिटी ऑफ इंडिया की कंपनी नेशनल हाईवे लाजिस्टिक मैनेजमेंट लि. (एनएचएलएमएल) देशभर में 60 किमी. से अधिक लंबाई के रोपवे का काम शुरू करने जा रही है। इसमें से तमाम के टेंडर भी अवार्ड किए जा चुके हैं और कुछ अवार्ड होने वाले हैं। इन्हीं में से एक कामाख्या देवी मंदिर का रोपवे है। रोपवे निर्माण करने वाली कंपनी एनएचएलएमएल के अनुसार कामाख्या मंदिर में रोपवे का टेंडर जल्दे जारी होने वाला है। इसकी लंबाई 1.44 किमी. होगी। बीच में दो स्टेशन बनाए जाएंगे। पूरे रोपवे में 8 से 9 टॉवर बनने वाले है। इसके बनने के बाद श्रद्धालु नीचे से सीधा कामाख्या मंदिर में पहुंच सकते है। उन्हें मंदिर में दर्शन के लिए बस या टैक्सी की जरूरत नहीं पड़ेगी। रोपवे से कम समय और कम खर्च में मंदिर पहुंचा जा सकेगा। उत्तराखंड में केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और काठगोदाम से नैनीताल, कश्मीर में शंकराचार्य मंदिर, महाराष्ट्र में ब्रह्मगिरी से अंजनेरी और रामटेक मंदिर, मध्य प्रदेश में टिकौटोरिया मंदिर और महाकाल उज्जैन, उत्तर प्रदेश में संगम प्रयागराज, गुजरात में गिफ्ट सिटी, अरुणाचल प्रदेश में तवांग मोनेस्ट्री प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल हैं,जहां पर रोपवे निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। देश में बन रहे अर्बन रोपवे में सबसे पहला काशी में तैयार होगा। रोपवे की कुल लंबाई 3.75 किमी होगी। इसमें चार स्टेशन बनाए जाएंगे, पहला कैंट रेलवे स्टेशन, दूसरा विद्यापीठ, तीसरा रथयात्रा और चौथा गोदौलिया होगा। चूंकि इसके आगे मंदिर जाने के लिए वाहन नहीं जाते हैं, इसलिए यहीं तक रोपवे चलाया जाएगा। यहां रोपवे के स्टेशन बन चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया जज से अनुरोध, राष्ट्रपति चुनाव तक ना दें सजा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क में गुप्त लेन-देन के आपराधिक मामले में जज से अनुरोध किया है कि उनकी सजा पर फैसला नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद तक स्थगित कर दिया जाए। सार्वजनिक किए गए एक पत्र में आगामी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के वकील ने सुझाव दिया कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव के दिन से करीब सात सप्ताह पहले 18 सितंबर को तय तिथि पर ट्रंप को सजा सुनाना चुनाव में हस्तक्षेप करने जैसा होगा। ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच ने कहा कि सजा को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव तक टाल दिया जाए। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी करने का कोई आधार नहीं है।

ढाका में हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान की बरसी मनाने वालों को छात्रों ने पीटा

ढाका। बांग्लादेश के ढाका में अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की प्रदर्शनकारी छात्रों ने जमकर पिटाई कर दी। अवामी लीग के कार्यकर्ता देश के पहले राष्ट्रपति और शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर्रहमान की बरसी मनाने इकट्ठा हुए थे। 15 अगस्त 1975 को शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से हर साल इस दिन उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में नरसंहार और मानवता के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में इसकी जांच करवाएगी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में अवामी लीग के कार्यकर्ताओं पर हमले हुए। ये सभी देश के पहले राष्ट्रपति और शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर्रहमान की बरसी मनाने के लिए यहां इकट्ठा हुए थे। 15 अगस्त 1975 को शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से हर साल इस दिन उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती रही है लेकिन इस बाद हिंसा के डर से लोग घरों से बाहर नहीं निकले। शहर भर में दुकानें बंद रहीं। इसी बीच शेख मुजीबुर्रहमान को श्रद्धांजलि देने आए अवामी लीग के समर्थकों पर छात्रों ने लाठियों से हमला किया। सुबह से ही सैकड़ों छात्र ढाका में मुजीब के पुराने घर के पास सड़कों पर घूम रहे थे और लोगों की पहचान कर थे। संदिग्ध नजर आने वाले की पिटाई की जा रही थी। उन्हें पकड़कर सेना के हवाले कर रहे थे। एक दिन पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 15 अगस्त की छुट्टी कैंसिल कर दी थी। वहीं बांग्लादेश में छात्रों के प्रदर्शन के बीच हुई हिंसा की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र अपनी एक टीम बांग्लादेश भेज रहा है। चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने इसकी जानकारी दी।

मंकीपॉक्स को लेकर डब्ल्यूएचओ क्यों हुआ चिंतित

वाशिंगटन। कोरोना महामारी से अभी दुनिया पूरी तरह उबर भी नहीं हैं कि एक और जानलेवा बीमारी ने महामारी बनकर अटैक कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दो साल में लगातार दूसरे साल मंकीपॉक्स को लेकर हेल्थ इमरजेंसी घोषित की है। यह घोषणा अफ्रीकी देश कांगो में महामारी के भयानक संक्रमण के बाद की गई। मंकीपॉक्स का असर पिछले साल की तुलना में इस बार 160 फीसदी ज्यादा है और यह कांगो से शुरू होकर 13 अन्य देशों में भी दस्तक दे चुका है। इस साल अभी तक मंकी पॉक्स से 517 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

मंकीपॉक्स का नया वैरिएंट बेहद घातक

एमपॉक्स एक संक्रामक बीमारी है, जो आमतौर पर संक्रमित व्यक्ति के निकट जाने से फैलती है। इसमें फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जैसे- बुखार आना, उल्टी इत्यादि। लेकिन, जो लक्षण सबसे अलग करता है- वहां शरीर पर फोड़े और मवाद बनाना है। इस बीमारी से ग्रसित व्यक्ति के शरीर में हर जगह फोड़े निकलते हैं। फिर उनसे मवाद आने लगाता है। यह बेहद पीड़ादायक है। कांगो में मंकीपॉक्स का प्रकोप एक स्थानिक स्ट्रेन के प्रसार से शुरू हुआ, जिसे क्लेड ढ्ढ के रूप में जाना जाता है। लेकिन इस बार नया वैरिएंट क्लेड ढ्ढढ्ढ तबाही मचा रहा है। इस बीमारी के फैलने के प्रमुख कारणों में एक संक्रामक व्यक्ति से यौन संबंध बनाना भी शामिल है।

चंदा देने पर 12 साल की कैद

मास्को। रूस में एक महिला को 12 साल के जेल की सजा सुनाई गई है। उसने यूक्रेन से जुड़ी एक चैरिटी संस्था रजोम को 50 डॉलर (करीब 4200 रुपए) चंदा दिया था। महिला का नाम कसेनिया खवाना (33) है। उसके पास अमेरिकी नागरिकता है। कसेनिया को इस साल फरवरी में रूसी शहर येकातेरिनबर्ग से गिरफ्तार किया गया था। यह मॉस्को से 1600 किमी दूर पूर्व में स्थित है। यहां वह अपनी दादी से मिलने आई थी। शादी से पहले उसका नाम कसेनिया कैरिलिना था। उस पर पिछले हफ्ते ट्रायल चला था, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया।

शिनावत्रा थाइलैंड की पीएम बनी

बैंकॉक। थाइलैंड में संसद ने पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा को प्रधानमंत्री पद के लिए चुन लिया है। वह पूर्व प्रधानमंत्री थाक्सिन शिनवात्राकी बेटी है। 37 वर्षीय पाइतोंग्तार्न देश की 31वीं प्रधानमंत्री बनी हैं। वे थाईलैंड के इतिहास की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री भी हैं, साथ ही वे इस पद पर पहुंचने वाली देश की दूसरी महिला हैं। यिंगलुक थाईलैंड की प्रधानमंत्री बनने वाली देश की पहली महिला थीं। वह पाइतोंग्तार्न की बुआ हैं। पाइतोंग्तार्न, शिनवात्रा फैमिली से प्रधानमंत्री बनने वाली तीसरी नेता हैं। थाक्सिन के जीजा सोमचाई वोंगसावत भी 2008 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। थाक्सिन 2001 में थाइलैंड के पीएम बने थे। थाक्सिन शिनवात्रा को तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किया गया था। पाइतोंग्तार्न सत्ताधारी पार्टी 'फु थाई' की नेता है। हालांकि पाइतोंग्तार्न अभी सांसद नहीं हैं।

शिनावत्रा थाइलैंड की पीएम बनी

बैंकॉक(ईएमएस)। थाइलैंड में संसद ने पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा को प्रधानमंत्री पद के लिए चुन लिया है। वह पूर्व प्रधानमंत्री थाक्सिन शिनवात्राकी बेटी है। 37 वर्षीय पाइतोंग्तार्न देश की 31वीं प्रधानमंत्री बनी हैं। वे थाईलैंड के इतिहास की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री भी हैं, साथ ही वे इस पद पर पहुंचने वाली देश की दूसरी महिला हैं। यिंगलुक थाईलैंड की प्रधानमंत्री बनने वाली देश की पहली महिला थीं। वह पाइतोंग्तार्न की बुआ हैं। पाइतोंग्तार्न, शिनवात्रा फैमिली से प्रधानमंत्री बनने वाली तीसरी नेता हैं। थाक्सिन के जीजा सोमचाई वोंगसावत भी 2008 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। थाक्सिन 2001 में थाइलैंड के पीएम बने थे। थाक्सिन शिनवात्रा को तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किया गया था। पाइतोंग्तार्न सत्ताधारी पार्टी 'फु थाई' की नेता है। हालांकि पाइतोंग्तार्न अभी सांसद नहीं हैं।

बेल्जियम में एक स्क्वायर पर रेड कारपेट लगाया गया।

कमला हैरिस से बेहद नाराज हूं और उन पर व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से ''बेहद नाराज'' हैं और इस पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं अपनी प्रतिद्वंद्वी पर व्यक्तिगत हमले कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में अपने गोल्फ क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मेरे मन में उनके लिए कोई खास सम्मान नहीं है। उनकी बुद्धिमत्ता के लिए भी मेरे मन में कोई खास सम्मान नहीं है। मेरा मानना है कि वह बहुत खराब राष्ट्रपति साबित होंगी। व्यक्तिगत हमले अच्छे होते हैं या बुरे... इस बारे में मेरा कहना है कि वह भी मेरे ऊपर व्यक्तिगत हमले करती हैं।''दरअसल ट्रंप की पार्टी के सदस्यों ने उनसे हैरिस पर व्यक्तिगत हमले नहीं करने का अनुरोध किया है और ट्रंप उन्हीं से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। ट्रंप ने कहा, '' जहां तक हैरिस पर व्यक्तिगत हमलों की बात है तो उन्होंने देश के साथ जो किया है मैं उससे बहुत नाराज हूं। मैं उनसे इस बात पर नाराज हूं कि उन्होंने मेरे और अन्य के खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। मैं बेहद नाराज हूं और मुझे लगता है कि मैं व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं।'' ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने (हैरिस ने) मुझे अजीब कहा। उन्होंने जे डी (वैंस, ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) और मुझे अजीब कहा। वह (वैंस) अजीब नहीं हैं। वह येल में एक बेहतरीन छात्र थे, वह ओहायो स्टेट गए उन्होंने कक्षा में सर्वाधिक अंकों से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। दूसरी तरफ ऐसा व्यक्ति है जो असफल उम्मीदवार है, जिसका करियर बहुत खराब रहा है।

चीन से मिले फाइटर जेट पर इतरा रहा पाकिस्तान.....भारत से 12 साल आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी एयरफोर्स बेहद तेजी से अपनी फ्लीट को आधुनिक करने में जुटी है। चीन से लगातार नए-नए फाइटर जेट्स खरीद रही है। इस बीच पीएफए यानी पाकिस्तानी एयरफोर्स के पूर्व एयर कोमोडोर जिया उल हक शम्सी का बयान सामने आया है, इसमें उन्होंने शेखी दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तानी वायुसेना वर्तमान में भारतीय वायुसेना से 12-14 साल आगे निकल चुकी है।

एयर कोमोडोर जिया उल हक ने कहा कि इसकी वजह है चीन से खरीदा गया एफसी-31 स्टेल्थ फाइटर जेट है। पाकिस्तान के पास अब पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है, जबकि भारत के पास ऐसा एक भी फाइटर जेट नहीं है। यह चीन का मल्टीरोल स्टेल्थ फाइटर है, जो भारत को परेशान कर सकता है।

पाकिस्तान ने चीन से कितने जे-31 फाइटर जेटर खरीदे हैं, इसका खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन भारत के पास फिलहाल स्टेल्थ फाइटर जेट छोड़िए, पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट भी नहीं है। भारत के पास चौथे और 4.5 जेनरेशन के फाइटर जेट्स का मिश्रण है। जिसमें राफेल और तेजस सबसे नए हैं।

पाकिस्तान के प्लेन की तुलना भारत के एएमसीए यानी एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट से हो रही है। एएमसीए प्रोजेक्ट अब धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस बनाकर आने में करीब 11 साल और लगाने वाले है। सेना में शामिल होने में 2-3 साल और मान लीजिए। इस हिसाब से एयर कोमोडोर हक की बात सही लगती है।

भारत के पास फिलहाल इस पीढ़ी का कोई फाइटर जेट नहीं है। भारत में अभी एएमसीए फाइटर जेट बनाया जा रहा है। इस बनकर आने में अभी कुछ साल बाकी हैं। एक बार यह फाइटर जेट बन गया, तब भारत पाकिस्तान पर ज्यादा भारी पड़ेगा। क्योंकि इसकी गति 2600 किलोमीटर/ प्रतिघंटा रहेगी। इसकी कॉम्बैट रेंज 1620 किलोमीटर और पूरी रेंज 3240 किलोमीटर होगी। यह अधिकतम 65 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकेगा।

कई मामलों में भारतीय पाकिस्तानी एयरफोर्स से कई गुना आगे

अगर फ्लीट, अनुभव, ताकत, और सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के हिसाब से भारतीय वायुसेना आज भी पाकिस्तानी एयरफोर्स से कई गुना आगे हैं। भारतीय वायुसेना का फोकस फिलहाल नेटवर्क सेंट्रिक वॉरफेयर पर है। लॉन्ग रेंज प्रेसिशन स्ट्राइक पर है। एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम पर है। ये तीनों ही पाकिस्तान के जे-31 का खतरा खत्म कर देने वाले है।

भारत के पास अभिनंदन का उदाहरण

जे-31 के जरिए आसमानी जंग में पाकिस्तान को तकनीकी बढ़त है। हालांकि यह जरूरी नहीं कि उसके पास नया और आधुनिक विमान हो तब ताकतवर है। वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने पुराने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तानी एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था।

चीन का दावा है कि जो देश अपने लिए अमेरिका में बने एफ-35 स्टेल्थ फाइटर जेट को नहीं खरीद सकते। वे चीन से ये फाइटर जेट खरीद सकते हैं। 2012 से लेकर 2019 तक इसमें कई बार डिजाइन में बदलाव किए गए। टेस्ट फ्लाइट्स हुईं। इस एक ही पायलट उड़ाएगा। 56.9 फीट लंबे इस लड़ाकू विमान की ऊंचाई 15.9 फीट है।

टेकऑफ के समय अधिकतम वजन 2800 किलोग्राम रहता है। यह अधिकतम 2205.08 किलोमीटर/ प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। इस जेट की कॉम्बैट रेंज यानी हथियारों के साथ यह 1200 किलोमीटर की उड़ान भर सकता है। हवा में रीफ्यूलिग होने पर 1900 किलोमीटर तक आसानी से आ-जा सकता है। अधिकतम 52 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। इस फाइटर जेट में 6 बाहरी और 6 अंदरूनी हार्डप्वाइंट्स हैं। जिसमे कुल मिलाकर 10 हजार किलोग्राम वजनी हथियार लगा सकते हैं। इसमें मीडियम रेंज की हवा से हवा में मार करने वाली 12 मिसाइलें, हवा से जमीन पर हमला करने वाली 8 सुपरसोनिक मिसाइलें लगा सकते हैं। इसमें 500 किलोग्राम वजन के 8 डीप-पेनेट्रेशन बम लगा सकते हैं।

बांग्लादेश में सत्ता बदली अब कई देशों में राजदूतों को बदल रहे मोहम्मद यूनुस

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता बदलने के बाद अब कई देशों में नियुक्त राजदूतों को भी बदला जा रहा है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने छह देशों में नियुक्त राजदूतों को वापस आने के आदेश दिए हैं। इन राजदूतों की नियुक्ति शेख हसीना की सरकार में हुई थी। जानकारी के मुताबिक अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, जापान, जर्मनी, यूएई और मालदीव में कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नियुक्त किए गए राजदूतों को वापस आने को कहा गया है।

वॉशिंगटन में मोहम्मद इमरान, मॉस्को में कामरुल हसन, रियाद में जावेद पटवारी, तोक्यो में शहाबुद्दीन अहमद, बर्लिन में मुशर्रफ हुसैन भुइयान, अबू धाबी में अबू जफर और माले में रीयर ऐडमिरल एसएम अबुल कलाम आजाद की नियुक्ति की गई थी। इन सभी को अंतरिम सरकार ने वापस आने का आदेश दिया है। एम्बेसडर कामरुल हसन को पांच जनवरी 2020 को मॉस्को में नियुक्त किया था। वहीं डॉ. मोहम्मद जावेद पटवारी को सऊदी अरब में अगस्त 2020 में नियुक्त किया था। मुशर्रफ हुसैन की नियुक्ति जर्मनी में दो अक्टूबर 2020 को की गई थी। उन्हें चेक रिपब्लिक, कोसोवो और इंटरनेशनल ट्राइब्यूनल फॉर लॉ ऑफ सी का अतिरिक्त कार्यभार भी दिया गया था। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के तीरफ से इन सबको नोटिस भेजा है। इसके अलावा वॉशिंगटन में नियुक्त प्रथम सचिव वहीदुज्जमान नूर और काउंसलर आरिफा रहमान रूमा को भी वापस बुलाया गया है।

ओटावा में काउंसल अपर्णा रानी पाल और काउंसल मोबाशविरा फरजान मिथिला को भी वापस लौटने का नोटिस भेजा है। बता दें कि बांग्लादेश में नई अंतरिम सरकार का शपथ ग्रहण हुआ था। उससे पहले हिंसक आंदोलन के चलते शेख हसीना ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया और वह देश छोड़कर भारत आ गई थीं। फिलहाल शेख हसीना भारत में ही हैं। वहीं मोहम्मद यूनुस की अगुआई में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार काम कर रही है।

फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 40 हजार पहुंचा

-18 लाख लोग बेघर, इजराइल-हमास के बीच 11 महीने से जंग जारी

गाजा (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग में मरने वाले फिलिस्तीनियों लोगों का आंकड़ा 40 हजार के पार हो गया है। वहीं गाजा पर इजराइली हमलों में अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

मंत्रालय की तरफ से जारी किए आंकड़ों में हमास के आतंकवादियों को भी शामिल किया गया है। मरने वालों की संख्या इससे भी अधिक हो सकती है। अभी भी कई शव मलबे में दबे हुए हैं।

गाजा में 11 महीनों से जारी है जंग

इजराइल और हमास बीच इस जंग को लगभग 11 महीनों का वक्त बीत गया है। बीते साल 7 अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला किया था। इस हमले में लगभग 1200 इजराइली नागरिकों की मौत हो गई थी। वहीं आंतकवादी लगभग 250 लोगों बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। इजराइल के मुताबिक अभी भी 111 लोग हमास की कैद में मौजूद है। इनमें 39 शव भी शामिल हैं। बंधकों में 15 महिलाएं और 5 साल से कम उम्र के 2 बच्चे शामिल हैं। 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया था। इस जंग में अब तक इजराइल के 329 सैनिकों की भी मौत हो गई है। वहीं इजराइली सेना के मुताबिक उन्होंने अब तक हमास के 15 हजार से अधिक आतंकियों का मार गिराया है। जंग की वजह से गाजा में लगभग 18 लाख लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। इजराइल और दक्षिणी लेबनान में भी हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

चीनी रॉकेट के 700 से ज्यादा टुकड़े..... सुनीता विलियम्स के लिए खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर दो माह से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में फंसे हुए हैं। अभी उन दोनों के वापसी की कोई संभावना नहीं दिख रही है, बल्कि ऐसी आशंका है कि अभी 6 माह तक दोनों को अंतरिक्ष में ही रहना होगा है। इस बीच नई रिपोर्ट बताती है कि इन अंतरिक्ष यात्रियों के लिए स्पेस में चीनी खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में विस्फोट हुए चीन के रॉकेट का मलबा इन अंतरिक्ष यात्रियों की ओर बढ़ रहा है, इसकारण अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।

ताइयुआन सैटेलाइट लांच सेंटर से लांच चीन का लॉन्ग मार्च 6एक रॉकेट 18 जी 60 उपग्रहों को तैनात करने के ठीक बाद फट गया था। इस रॉकेट के मलबे के 700 से ज्यादा टुकड़े अंतरिक्ष में घूम रहे हैं। इसका मलबा इतना ज्यादा है कि 1000 से अधिक उपग्रहों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, एक रिपोर्ट में अमेरिका की स्पेस कमांड के हवाले से बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कोई खतरा नहीं है।

लॉन्ग मार्च 6ए रॉकेट में पृथ्वी की सतह से 810 किलोमीटर ऊपर विस्फोट हुआ था। यह आईएसएस से की पृथ्वी से ऊंचाई 408 किलोमीटर से काफी ऊपर है। अभी तक ये पता नहीं चल गया है कि चीनी रॉकेट में विस्फोट किस कारण है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन मलबे की निगरानी कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि, चीन ने आवश्यक उपाय किए हैं और संबंधित कक्षीय क्षेत्रों की बारीकी से निगरानी कर डेटा का विश्लेषण कर रहा है। बयान में कहा गया है कि चीन बाहरी अंतरिक्ष पर्यावरण की सुरक्षा को बढ़ावा देता है और बाहरी अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता बनाए रखता है।

चीनी रॉकेट में विस्फोट की यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले 2022 में भी इसी तरह की घटना की सूचना मिली थी, जब एक अन्य लॉन्ग मार्च 6ए रॉकेट में विस्फोट हुआ था, जिससे अंतरिक्ष में मलबे के 500 से ज्यादा टुकड़े बिखर गए थे। इन टुकड़ों से उपग्रहों और दूसरे अंतरिक्ष पिंडों से टकराने का खतरा बढ़ गया था।

अमेरिका के निशाने पर थीं शेख हसीना, नरम रुख के लिए बाइडेन प्रशासन पर भारत बनाता रहा दबाव, रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में छात्र विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना को हाल ही में पद से हटाए जाने के बाद पड़ोसी देश में उठापटक को दौर जारी है। भारत भी पूरी घटनाक्रम को लेकर चिंतित है। इन सब के बीच पिछले एक साल में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच जटिल कूटनीतिक लेन-देन के बारे में रिपोर्टें सामने आई हैं। द वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दोनों देशों के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि उनके पद से हटाए जाने से एक साल पहले, भारतीय राजनयिकों ने बांग्लादेश की लंबे समय से सत्तावादी प्रधानमंत्री रहीं हसीना पर दबाव कम करने के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों से सक्रिय रूप से पैरवी की थी।

बिडेन प्रशासन जनवरी में विवादास्पद चुनाव से पहले राजनीतिक विरोधियों और कथित मानवाधिकार हनन पर कठोर कार्रवाई के लिए हसीना की आलोचना करता रहा है। अमेरिका ने हसीना की कमान के तहत एक बांग्लादेशी पुलिस इकाई पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिस पर न्यायेतर हत्याओं का आरोप था और लोकतंत्र को कमजोर करने में शामिल बांग्लादेशियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। जवाब में, विपक्ष के सत्ता में आने पर इस्लामी समूहों के संभावित उदय के बारे में चिंतित भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका से अपने लोकतंत्र समर्थक रुख को नरम करने का आग्रह किया।

नाम न बताने के अनुरोध पर रिपोर्ट में एक भारतीय सरकारी सलाहकार के हवाले से कहा गया है, 'आप इसे लोकतंत्र के स्तर पर देखते हैं, लेकिन हमारे लिए, मुद्दे बहुत अधिक गंभीर और अस्तित्वगत हैं।' भारतीय सरकारी सलाहकार ने कहा, 'अमेरिकियों के साथ बहुत सी बातचीत हुई, जिसमें हमने कहा, 'यह हमारे लिए एक मुख्य चिंता का विषय है, और आप हमें रणनीतिक साझेदार के रूप में नहीं ले सकते, जब तक कि हमारे पास किसी तरह की रणनीतिक सहमति न हो।÷ भारतीय अधिकारियों ने यह भी तर्क दिया था कि अगर विपक्ष को चुनाव में सत्ता हासिल करने की अनुमति दी गई, तो बांग्लादेश इस्लामी गुटों के लिए पनाहगाह बन जाएगा, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाएगा।

इसके कारण बिडेन प्रशासन ने अपनी आलोचना को नरम कर दिया और हसीना के शासन के खिलाफ आगे प्रतिबंधों की धमकियों को टाल दिया, जिससे कई बांग्लादेशी निराश हुए। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यह एक सोचा-समझा कदम था जिसका संबंध भारतीय लॉबिंग से था। आपको बता दें कि सेना द्वारा लगाए गए कर्फ्यू के आदेशों की अवहेलना करने वाले प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री हसीना के आधिकारिक आवास पर मार्च किया, जिसके कारण उन्हें भारत भागने पर मजबूर होना पड़ा। अब नई दिल्ली और वाशिंगटन के नीति निर्माताओं को यह पुनर्मूल्यांकन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है कि क्या उन्होंने बांग्लादेश में स्थिति को ठीक से नहीं संभाला।

संपादकीय

देश को संदेश

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल देशवासियों को प्रेरित किया है, भारत के प्रति शत्रुता का भाव रखने वालों को भी समझाने की कोशिश की है। अक्सर शत्रुता झेलने वाले भारत के विरोधियों को यह समझना ही चाहिए कि भारत का उदय विश्व शांति और व्यवस्था के लिए खतरा नहीं है, इसलिए भारत किसी के निशाने पर नहीं रहना चाहिए। कोई संदेह नहीं कि शत्रु साजिश करते हैं और उसका सामना करने में भारत की बहुत ऊर्जा खर्च होती है। यह बात छिपी नहीं है कि भारत आंतरिक रूप से ही नहीं, बल्कि सीमा पर भी अपनी सुरक्षा के लिए बहुत पैसे खर्च करता है। कहीं न कहीं इससे हमारा विकास भी प्रभावित होता है। अत- ऐसे शत्रुओं को समझाने का प्रधानमंत्री का ताजा प्रयास स्वागतयोग्य है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा को लेकर भी प्रधानमंत्री के भाषण में स्वाभाविक ही चिंता झलकी है। बांग्लादेश के प्रति भारत की चिंता बुनियादी है, वहां अमन-चैन हर तरह से हमारे हित में है। यही ध्वनि प्रधानमंत्री के भाषण से यथोचित उभरती है। यह भी प्रशंसनीय है कि इस बार प्रधानमंत्री का जोर जीवन को सुविधाजनक बनाने पर भी रहा है। प्रधानमंत्री ने 'मिशन मोड' पर 'ईज ऑफ लिविंग' को पूरा करने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। उन्होंने व्यवस्थित मूल्यांकन, बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की बहुत जरूरी बात कही है। यह तथ्य है कि भारत से पहले युवा प्रतिभाओं का पलायन होता था, वह रुका नहीं है और अब अमीरों के पलायन का क्रम चल पड़ा है। अगर भारत में जीवन को आसान बना दिया जाए, तो निस्संदेह भारत के प्रति प्रतिभाओं और अमीरों का आकर्षण बढ़ेगा, इससे देश को बहुत लाभ होगा। प्रधानमंत्री का यह अभियान जमीन पर जरूर उतरना चाहिए। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने नालंदा भावना के पुनरोद्धार की बात कही है। इसके लिए शिक्षा और शैक्षणिक परिवेश में सुधार जरूरी है। जब लक्ष्य विकसित राष्ट्र बनने का है, तब उच्च शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देकर भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक नेता बनने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को भी फिर रेखांकित किया है। भारत का लक्ष्य आयात पर निर्भरता को कम करना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाना होना चाहिए। अपने विशाल संसाधनों और कुशल कार्यबल का लाभ उठाते हुए ही भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से उभरेगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में रोजगार बढ़ाने की जरूरत को भी रेखांकित किया है। इस बार भाषण में नवाचार के इच्छुक उद्यमियों को विशेष रूप से संबोधित किया गया है। भारत का निर्यात बढ़ना जरूरी है और इसके लिए ऐसे उत्पाद बनाने की जरूरत है, जिनकी विश्व स्तर पर मांग हो। चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा के मोर्चे पर भी प्रधानमंत्री की घोषणाएं गौरतलब हैं। देश की चिकित्सा शिक्षा क्षमता को बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के मकसद से अगले पांच वर्षों में 75,000 नई मेडिकल सीटें जोड़ने की घोषणा महत्वपूर्ण है। इसके अलावा गैर-राजनीतिक परिवारों के युवाओं को राजनीति में आमंत्रित करने का प्रधानमंत्री का आह्वान भी उल्लेखनीय है। यह आह्वान अगर रंग लाया, तो देश में राजनीति की सूरत बदल जाएगी।

आज़ादी है अनमोल

आज पूरा देश स्वतंत्रता का उत्सव उल्लास व उत्साह से मना रहा है। इस आजादी के लिये लाखों लोगों ने त्याग-बलिदान किया। हम आज जो स्वतंत्रता की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह अनमोल है। जिसकी रक्षा करना हर भारतीय का पहला कर्तव्य है। हमारी उदासीनता और राजनीतिक-सामाजिक विद्रूपताओं की अनदेखी की कीमत हमें ही चुकानी पड़ती है। हाल के दिनों में हमारे पड़ोसी देशों में लोकतंत्र की उत्कट अभिलाषा और रक्त रंजित संघर्ष लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक कीमत को दर्शाते हैं। बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान में लोग अपनी लोकतांत्रिक आजादी के लिए सड़कों पर उतरे और निरंकुश सत्ता का प्रतिकार किया। भारत में भी विपक्ष गाहे-बगाहे लोकतांत्रिक मूल्यों की लक्ष्मण रेखा के अतिक्रमण की बात करता है। निश्चित रूप से लोकतंत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के सामंजस्य और तालमेल से ही चलता है। जनता ने जहां सत्तापक्ष को सुशासन का दायित्व दिया है, वहीं विपक्ष को लोकतंत्र का सजग प्रहरी बनाया है। यदि विपक्ष जनहित के लिये आवाज उठाता है तो उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के लिये महज विरोध के लिए विरोध करना भी अनुचित ही कहा जाएगा। विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता को सजग करे और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सचेत करे। वहीं राजनीतिक दलों को उन विभाजनकारी मुद्दों से परहेज करना चाहिए जो समाज में विघटन को बढ़ावा दें। हम 21वीं सदी में रह रहे हैं। यदि अब भी राजनीतिक दल जात-पांत और सांप्रदायिकता की राजनीति को बढ़ावा देते हैं तो यह लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता। सदियों पहले देशकाल व परिस्थिति के चलते जो जाति व्यवस्था अस्तित्व में आई थी, उसे आज राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना देश को पीछे धकेलने के समान है। कमोबेश यही स्थिति संप्रदायों की राजनीति करने वालों को लेकर भी कही जा सकती है। आज हर नागरिक का पहला दायित्व प्रगतिशील सोच के साथ देश को आगे बढ़ाना होना चाहिए। किसी भी लोकतंत्र में समाज के अंतिम व्यक्ति को न्याय दिलाना पहली प्राथमिकता होती है। निस्संदेह, देश ने 1947 में राजनीतिक आजादी हासिल की थी। अकसर कहा जाता है कि आजादी के बाद हमारी लड़ाई देश में आर्थिक आजादी और सामाजिक न्याय हासिल करने के लिये होनी चाहिए। लेकिन यह भी हकीकत है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम आर्थिक आजादी व सामाजिक न्याय के लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। देश में तेजी से बढ़ती अमीर-गरीब की खाई बड़ी चिंता का विषय है। दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में बेरोजगारी की ऊंची दर नीति-नियंताओं की विफलता को दर्शाती है। कैसी विडंबना है कि रोजगार की तलाश में विदेशों में भटक रहे युवाओं को दलालों ने रूस-यूक्रेन युद्ध में झोंक दिया है। हर हाथ को काम न मिले यह हमारे सत्ताधीशों की विफलता ही कही जाएगी। वहीं दूसरी ओर हम अपने मौलिक अधिकारों की तो बात करते हैं लेकिन अपने मौलिक कर्तव्यों की बात भूल जाते हैं। यह शिक्षा स्कूल-कॉलेजों से ही दी जानी चाहिए ताकि युवा जागरूक व जिम्मेदार बनें।

महिला डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या से जुड़े सवाल

(लेखक - ललित गर्ग)

कोलकाता के एक मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के दुराचार, बलात्कार व बर्बर हत्या पर स्वाभाविक ही देशभर के आमजन में तीखी प्रतिक्रिया एवं डॉक्टरों तीव्र रोष, गम और गुस्सा है, उसे समझा जा सकता है। जीवन-रक्षा करने वाले अस्पतालों एवं जीवन-रक्षक डाक्टरों पर हो रहे हमले, बर्बर एवं वीभत्स घटनाएं चिन्तनीय है। यह सरकारों एवं पुलिस की असफलता, लापरवाही एवं कोताही को ही दर्शा रही है। ऐसी घटनाओं में पुलिस की भूमिका अनेक सवाल खड़े कर रही है। कोलकाता की इस घटना ने एक बार फिर इस तथ्य की ओर ध्यान खींचा है कि अस्पतालों में डॉक्टरों को किस तरह के खतरों के बीच काम करना पड़ता है। डॉक्टर अपनी सुरक्षा को लेकर भी डरे एवं सहमे हुए हैं। लेडी डॉक्टर्स ही नहीं, पुरुष डॉक्टर भी तरह-तरह के हमलों की आशंकाओं एवं असुरक्षा के बीच जीते हैं। सबसे बड़ी बात यह कि घटना के बाद भी पुलिस संतोषनक कार्रवाई नहीं कर सकी। डॉक्टरों की बुनियादी मांग यह है कि इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए।

यह घटना दर्दनाक होने के साथ-साथ अमानवीयता एवं क्रूरता की पराकाष्ठा थी, क्योंकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महिला डॉक्टर की आंखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट से खून बहने के अलावा उसके शरीर पर चोट के कई निशान मिलने की बात कही गई है। इस त्रासद एवं खौफनाक घटना के विरोध में देशभर में गुस्साए और फिक्रमंद डॉक्टर बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं चरमरा गयी हैं एवं सभी हिस्सों में ओपीडी सेवाएं बाधित एवं प्रभावित हो रहीं। जाहिर है, इससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब चूंकि इस मामले का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी है और राज्य पुलिस को सारे कागजात बुधवार 10 बजे तक सीबीआई को सौंपने की हिदायत दी है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि मामले की संतोषजनक जांच होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अस्पतालों में सिर्फ डॉक्टर ही खतरे में होते हैं? डॉक्टरों के साथ नर्स, अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं रोगी भी कहां सुरक्षित है? हालांकि हड़ताली डॉक्टरों ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को मुद्दा बनाया है, लेकिन नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले कभी इतना बड़ा मुद्दा क्यों नहीं बनते? मसला मरीजों की सुरक्षा का भी है। 2024 में अस्पतालों में हुए यौन हमलों के हर पांच में से चार मामलों में पीड़ित महिला मरीज रही हैं। सवाल यह भी है कि अस्पतालों में ओवरचार्ज के रूप में मरीजों पर होने वाले वित्तीय हमलों को क्यों चर्चा से बाहर रखना चाहिए? आखिर अस्पतालों में बनते असुरक्षा के माहौल का यह भी एक अहम पहलू है। हमारे अस्पताल हर तरह से सुरक्षित होने चाहिए और इसके लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। संभवतः इसीलिए हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून बनाया जाए।

बढ़ते डॉक्टरों पर हमलों के कारण उनका डर और उनकी चिंता जायज है। लेकिन जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो सवाल यह है कि क्या कोलकाता में लेडी डॉक्टर पर हुआ हमला कड़े कानूनों की कमी का परिणाम माना जा सकता है? सच यह है कि ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्सन्स और मेडिकेयर सर्विस इंस्टीट्यूशंस (हिंसा या क्षति या संपत्ति के नुकसान की रोकथाम) अधिनियम पहले से ही लागू है। अब तो हर अस्पताल में डाक्टरों पर हमलों के लिये चेतावनी के बोर्ड देखने को मिलते हैं कि ऐसी घटनाओं को अपराध मानते हुए उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत तक पहुंच पाते हैं। जाहिर है, मूल समस्या कानून में नहीं, उस पर अमल में है। अदालत ने उचित ही आंदोलित डॉक्टरों को उनके पवित्र एवं पावन दायित्व का एहसास कराया है और उनसे अपने काम पर लौटने की अपील की है। आखिर किसी जालिम की करतूत की सजा बेकसूर मरीजों को क्यों मिलनी चाहिए? इसलिये न्याय मांगते डॉक्टरों को भी सोचना चाहिए कि इंसाफ का तकाजा क्या यह भी नहीं है कि किसी मरीज से नाइंसाफी न हो?

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के एक अध्ययन के अनुसार, 75 प्रतिशत से अधिक डॉक्टरों को काम पर हिंसा का सामना करना पड़ता है। तृतीयकेयर में एक महिला डॉक्टर की हत्या एक गर्भवती महिला के पति ने की थी, जिसे गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया था, लेकिन उसे स्थानांतरित किए जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पति ने तीन साथियों के साथ महिला डॉक्टर के परामर्श कक्ष में प्रवेश किया और उस पर तलवार से हमला किया। 2014 में, पंजाब के मनसा जिले में एक लड़के की मौत के बाद एक डॉक्टर के क्लिनिक को जला दिया गया था, जिसे तृतीयक अस्पताल में रेफर किया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई। भारत भर में डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा की असंख्य घटनाएं लगभग हर दिन सामने आती हैं, जिनमें से कुछ में गंभीर चोटें भी आती हैं। यहां तक कि देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली जैसे संस्थान भी इससे अछूते नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल में बात केवल राजनीतिक हिंसा एवं आक्रामकता की ही नहीं है बल्कि कुशासन एवं अराजकता की भी है। वहां आमजनता के साथ साथ अस्पतालों की सुरक्षा भी खतरे में है। इसका एक उद्वहरण चुनाव से पहले कोलकाता के एनआरएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 10 जून की रात को सामने आया था, वह भी एक काला अध्याय ही था। इलाज के दौरान एक बुजुर्ग मरीज की मृत्यु के बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने डॉक्टरों पर हमला बोल दिया था, जिससे कई डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। भारत में डॉक्टर को लगभग भगवान का दरजा मिला हुआ है। ऐसे में, आमतौर से उन पर हमला किसी ऐसे निरंकुशता और असंवेदनशीलता की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जो तंत्र से पोषित एवं संरक्षित होता है। उसकी हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता, पर इसे किसी शून्य की उपज भी नहीं कह सकते। लेकिन ताजा घटना में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो हुआ, उसने तो सारी सीमाएं लांघ दी है।

इस हत्याकांड ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल सरकार एवं पुलिस-प्रशासन को सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया है। खुद अदालत ने सवाल किया कि आखिर शुरुआत से ही हत्या के बजाय अस्वाभाविक मौत के नजरिये से जांच क्यों की गई? फिर 9 अगस्त को घटी इस घटना में उसने जिस आरोपी को हिरासत में लिया है, वह एक पुलिस का वॉलंटियर बताया जाता है और उसे इस अस्पताल में अक्सर मंडराते देखा जाता था। इतने संवेदनशील मामले में अतिरिक्त सक्रियता बरतकर कोलकाता पुलिस न सिर्फ पीड़ित परिवार के भरोसे का संरक्षण कर सकती थी, बल्कि डॉक्टरों को भी यह यकीन दिला सकती थी कि अपराधी चाहे कोई भी हो चंद घंटों के भीतर वे सलाखों के पीछे होंगे! मगर बंगाल पुलिस ने कहीं न कहीं कोताही बरती। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उसे यह अल्टीमेटम देना कि रविवार तक जांच पूरी हो, वरना मामला सीबीआई को सौंप देंगे, आखिर क्या ध्वनित करता है? दरअसल, यह सिर्फ एक राज्य की पुलिस की बात नहीं है। लोगों की निगाहें में राज्य-दर-राज्य पुलिस की छवि इतनी कमजोर हो चली है कि जघन्य अपराधों की जांच में भी लोग उसकी पेशेवर काबिलियत पर आसानी से भरोसा नहीं करते और उसमें राजनीतिक कोण देखने लगते हैं। निस्संदेह, इसके लिए पुलिस के साथ-साथ राजनीतिक नेतृत्व भी बराबर के दोषी हैं। सीबीआई की कार्यशैली भी सवालों से घिरी है ऐसे में, आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की डॉक्टर के हत्याकांड की जांच उसके लिए एक नई चुनौती है कि वह जल्दी से जल्दी इसकी जांच मुकम्मल कर न सिर्फ दोषी या दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाए, बल्कि अपनी छवि भी सुधारे। प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

स्वतंत्रता आंदोलन के जीवंत दस्तावेज

आज़ादी का साहित्य

प्रेम सिंह

उपनिवेशवादी वर्चस्व के खिलाफ हुआ 1857 का विद्रोह, जिसे भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है, एक बड़ी घटना थी। अंग्रेजों का डर कह लीजिए या देश-भक्ति और राज-भक्ति का द्वंद्व, 1857 का संग्राम लंबे समय तक शिष्ट-साहित्य के रचयिताओं की कल्पना से निर्वासित रहा। जबकि लोक-साहित्य में उसकी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज हुई। 'नवजागरण के अग्रदूत' भारतेंदु हरिश्चंद्र ने 1857 का केवल एक अर्द्धाली- 'कठिन सिपाही द्रोह अनलजा जनबल नासी/ जिन भय सिर न हिलाई सकत कहुं भारतवासी' में उल्लेख किया है।

इसके विपरीत कई ब्रिटिश लेखकों ने 1859 से 1964 के बीच 1857 के 'गदर' पर आधारित 50 से अधिक उपन्यास- फिक्शनल अकाउंट्स लिखे। (शैलेंद्रधारी सिंह, नोवेल्स ऑन दि म्यूटनी, अर्नोल्ड-हेनमन इंडिया, दिल्ली, 1973) गौतम चक्रवर्ती ने अपने अध्ययन में ब्रिटेन में 1859 से 1947 के बीच लिखे गए 70 उपन्यासों को शामिल किया है। (दि इंडियन म्यूटनी एंड ब्रिटिश इमेजिनेशन, कैम्ब्रिज, दिल्ली, 2005) 73 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ऋषभ चरण जैन ने 1857 के विद्रोह पर पहला हिंदी उपन्यास 'गदर' (1930) लिखा, जिसे ब्रिटिश सरकार ने तुरंत जब्त कर लिया था। इसके पहले मिर्जा हादी रुस्वा के उर्दू उपन्यास 'उमराव जान अदा' (1899) पर 1857 के विद्रोह की छाया मिलती है। 'गदर' के बाद भी अंग्रेजी व अन्य भारतीय भाषाओं में 1857 के संग्राम पर केंद्रित उपन्यास गिनती के हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन भारत की एक बड़ी घटना थी। उसने भारतीय लेखकों की कल्पना को बड़े पैमाने पर आकर्षित किया। भारत छोड़ो आंदोलन पर आधारित '1942' (1950) के लेखक कु. राजवेलु (तमिल), 'घरडीह' (1975) के लेखक नित्यानंद महापात्र (उड़िया), 'मैला आंचल' (1954) के लेखक फणीश्वरनाथ रेणु आदि ने कारावास की सजा भी काटी। विभाजन-साहित्य के बाद साहित्य में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना के रूप में भारत छोड़ो आंदोलन का चित्रण रहा है।

सोवियत रूस के दूसरे विश्वयुद्ध में शामिल होने पर भारत के कम्युनिस्ट नेतृत्व ने साम्राज्यवादी युद्ध को 'जन-युद्ध' घोषित करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध और अंग्रेजों का साथ देने का फैसला किया। फलतः कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता देशभक्ति और देशद्रोह की परिभाषा व कसौटी को लेकर भ्रम और द्वंद्व का शिकार हुए। सतीनाथ भादुड़ी के 'जागरी' (1945), चार खंडों में लिखित समरेश बसु के 'जुग जुग जिए' (1977), यशपाल के 'देशद्रोही' (1943), 'गीता पार्टी कामरेड' (1946) और अंतिम महाकाय उपन्यास 'मेरी तेरी उसकी बात' (1979) में इस टकराहट का विस्तृत और बौरेंद्र कुमार भट्टाचार्य के 'मृत्युंजय' (1970) में कुछ हद तक चित्रण मिलता है।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भूमिगत अवस्था के अंतिम महीनों में लोहिया ने अपना लंबा किंतु अधूरा निबंध 'इकॉनॉमिक्स आफ्टर मार्क्स' (मार्क्सोत्तर अर्थशास्त्र) लिखा। लोहिया की जीवनीकार इंदुमति केलकर ने इस लेख के उद्देश्य के बारे में लोहिया को उद्धृत किया है–'1942-43 की अवधि में ब्रिटिश सत्ता के विरोध में जो क्रांति आंदोलन चला उस समय समाजवादी जन या तो जेल में बंद थे या पुलिस पीछे पड़ी हुई थी। वह वह समय थी है जब कम्युनिस्टों ने अपने विदेशी मालिकों की हां में हां मिलाते हुए 'लोक-युद्ध' का ऐलान किया था। कई असंगतियों से ओतप्रोत मार्क्सवाद के प्रत्यक्ष अनुभवों और दर्शनों से मैं चकरा गया। तभी मैंने तय किया कि मार्क्सवाद के सत्यांश की तलाश करूंगा।

जाहिर है, कम्युनिस्टों को लोहिया की ये टिप्पणी और 'इकोनॉमिक्स आफ्टर मार्क्स' निबंध नागवार गुजरे होंगे। दुधनाथ सिंह के महत्वपूर्ण उपन्यास 'आखिरी कलाम' (2006) में कम्युनिस्ट प्रतिक्रिया की एक झलक देखने को मिलती है। भारत छोड़ो आंदोलन पर लिखे गए सभी उपन्यासों में सोशलिस्ट-कम्युनिस्ट टकराहट प्रमुख थीम नहीं है। आरके नारायण का 'वेटिंग फॉर दि महात्मा' (1955) इस थीम की मार्मिक अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण उपन्यास है। भारत छोड़ो आंदोलन का समय 1943 के भीषण बंगाल अकाल के लिए भी जाना जाता है। भबानी भट्टाचार्य के उपन्यास 'सो मेनी हंगर्स' (1947) में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा जान-बूझकर पैदा किए गए अकाल से उपजी भूख और आजादी की भूख को सन्निधान में

रखकर औपन्यासिक संवेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति मिलती है।

भारतीय उपन्यासों में भारत छोड़ो आंदोलन का चित्रण दर्शाता है कि आंदोलन भारत की जातीय स्मृति का हिस्सा है; और इस नाते उसमें रचनात्मक अंतर्वस्तु की प्रचुर संभावनाएं निहित हैं। सतीकांदि होता का उपन्यास 'मुक्ति युद्ध' (2021), खुशवंत सिंह के उपन्यास 'आई शैल नॉट हियर दि नाइटिंगल' (1968) का हिंदी अनुवाद 'बोलेगी ना बुलबुल अब' (2014) इसका संकेत कहे जा सकते हैं। ये दोनों उपन्यास भारत छोड़ो आंदोलन पर आधारित हैं।

लेखक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के पूर्व फेलो हैं।

(विचार-मंथन)

राजनीति की गैंगवार चरम अवस्था में

(लेखक-सनत जैन)

कोलकाता के सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षक महिला चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। मृतक महिला डॉक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दावा किया है। उसके शरीर पर चोटों के निशान हैं। इस अपराध में एक से अधिक लोग शामिल होने की संभवना जताई गई हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो सीमन पाया गया है, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है, एक से अधिक लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। कोलकाता पुलिस जब निर्धारित समय पर जांच पूरी नहीं कर पाई। तब पश्चिम बंगाल सरकार ने सीबीआई से जांच कराने पर सहमति दी। न्यायपालिका ने भी सीबीआई से जांच कराए जाने का आदेश किया। इस मामले की जांच अब सीबीआई कर रही है। पश्चिम बंगाल की सरकार और पुलिस सीबीआई को सहयोग कर रही है। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज के सभी डॉक्टर घटना के विरोध में हड़ताल पर हैं। इस घटना की देशभर में प्रतिक्रिया हुई है। देश भर के सभी मेडिकल कॉलेजों में धरना प्रदर्शन और हड़ताल हुई। ड्यूटी डॉक्टरों ने सुरक्षा की मांग की। पश्चिम बंगाल की इस घटना से पूरा देश उद्वेलित है। इस घटना के बाद जिस तरह से पश्चिम बंगाल में राजनीति शुरू हुई है। नेशनल मीडिया इस घटना पर जिस तरह की कवरेज कर रहा है। उसने राजनीति को एक गैंगवार के स्वरूप में बदल दिया है। जिस तरह से एक गैंग दूसरी गैंग के इलाके में कब्जा करने के लिए सभी जायज और नाजायज तरीकों का उपयोग करते हुए अपना इलाका बढ़ाना चाहते हैं। ठीक वही स्थिति वर्तमान में पश्चिम बंगाल में दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे एक मुद्दा बना लिया है। भाजपा ने ममता बनर्जी और वाम दल को निशाना बनाकर आंदोलन और प्रदर्शन किया जा रहा है। छात्रों को ढाल बनाकर एक तरह से राजनीति की गैंगवार का हमला माना जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को अस्पताल में घुसकर भारी तोड़फोड़ की। वहां पर जिस तरह आतंक और दहशत का माहौल बनाया गया। वह आश्चर्यचकित करने वाली घटना है। ममता बनर्जी राजनीति की इस गैंगवार में शुक्रवार को स्वयं प्रदर्शन करने सड़कों पर उतरी हैं। उनका कहना है, सीबीआई जल्द से जल्द घटना की जांच करें। आरोपियों को फांसी की सजा दिलाए। भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफा मांगा है। भाजपा ममता बनर्जी के खिलाफ आंदोलन कर रही है। रही-सही कसर राज्यपाल सीवी आनंद ने आंदोलनकारियों के पास पहुंच कर पूरी कर दी है। राज्यपाल महोदय के ऊपर खुद ही महिला छेड़छाड़ के आरोप हैं। आंदोलनकारियों को संवैधानिक पद पर रहते हुए उकसाने का काम कर रहे हैं। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह न्यायपालिका और मीडिया का उपयोग राजनीति के लिए किया जा रहा है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। न्यायपालिका और मीडिया के माध्यम से विपक्षियों पर हमला करने की एक नई प्रक्रिया शुरू हुई है। पश्चिम बंगाल इसमें सबसे आगे है। भारत में वाम दल केडर बेस पार्टी है। दूसरी पार्टी भारतीय जनता पार्टी है। जिसका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पार्टी का अपना कैडर है। अन्य दलों के पास ऐसा कोई कैडर नहीं है। पश्चिम बंगाल में जब भारतीय जनता पार्टी और वाम दल आमने-सामने होते हैं। तो यह मुंबई की गैंगवार की तरह लड़ाई झगड़ा और हिंसा में परिवर्तित हो जाती है। पिछले कई वर्षों से पश्चिम बंगाल और कोलकाता में यही स्थिति देखने को मिल रही है। इस गैंगवॉर में जब न्यायपालिका और मीडिया लिप्त हो तो इसका राष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ना तय है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुई इस घटना की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई की जांच पर भाजपा ही संतुष्ट नहीं हैं? जो घटना कोलकाता में हुई है। उससे भी वीभत्स घटना बिहार के मुजफ्फरनगर में 12 अगस्त को हुई है। जहां पर एक नाबालिक लड़की के साथ अपहरण करके उसकी हत्या की गई। उसके गुप्तांग में 50 से अधिक चोट के निशान हैं। वहां डबल इंजन की सरकार है। सरकार और मीडिया चुप है। अन्य राज्यों में आए दिन इसी तरह की घटनाएं होती हैं। लेकिन वह घटनायें मीडिया में आकर गायब हो जाती हैं। जिन राज्यों में डबल इंजन की सरकारें नहीं है। उन राज्यों का मीडिया ट्रायल शुरू हो जाता है। जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही धरना प्रदर्शन और आंदोलन के लिये सड़कों पर उतरेंगे। उसके बाद जनता के पास एक ही विकल्प रह जाता है। जनता सड़कों पर आकर न्याय पाने की कोशिश करे। हाल ही में बांग्लादेश की सड़कों पर जनता उतरी। उसने अपने तरीके से विरोध करते हुए अपने हकों की लड़ाई लड़ी। तत्कालीन प्रधानमंत्री को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। भारत में जिस तरह की स्थिति पश्चिम बंगाल में इस घटना के बाद देखने को मिल रही है। वह जनता को बगावत और जन विद्रोह का रास्ता दिख रही है। राजनीतिक दलों की स्वार्थ सिद्धि के लिये जिस तरह के उन्ही दांव पेंच का उपयोग करते हैं। जोड़-तोड़, अंतर- विरोध के साथ प्रतिशोध की राजनीति अब गैंगवार के रूप में बदल गई है। राजनीतिक दलों के नेता अपनी स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में 15 अगस्त को जब लाल किले से झंडा फहराया जा रहा था। उसमें भी प्रतिशोध की राजनीति का एक नया स्वरूप देखने को मिला। जब नेता प्रतिपक्ष जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। उन्हें पांचवी पंक्ति में खिलाड़ियों और आमंत्रित अतिथियों के साथ बैठाकर, एक तरह से उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास किया गया। सारा देश टीवी पर स्वतंत्रता के 78 वें वर्ष का समारोह देख रहा था। बहुदलीय लोकतंत्र में दलीय हितों का टकराव स्वाभाविक है। संवैधानिक मर्यादा, शिष्टाचार की परंपरा को तिलांजलि देना चिंता का विषय है।

सुअर पालन लाभ का व्यवसाय

सूअर पालन किन्हें करना चाहिए?

● छोटे एवं भूमिहीन किसान, आंशिक कार्य के तौर पर शिक्षित बेरोजगार लोगों के लिए आय का अच्छा साधन है।

● अशिक्षित महिलाओं एवं युवाओं के लिए सुअर पालन अच्छा व्यवसाय है।

प्रजातियां- वृहद श्वेत यार्कशायर, लेण्डरेस, मध्य श्वेत यार्कशायर-

प्रजनन के लिए सन्तति का चयन

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए-

● सुअर में बच्चे पैदा करने की ताकत, जैव शक्ति एवं दूध उत्पादन की क्षमता होनी चाहिए।

● प्रत्येक किसान को सुअर का समूह पालने के पूर्व जांच करें कि सुअर विश्वसनीय और रोगमुक्त हो। इस प्रकार की जानकारी ले लेना चाहिए। एक बार सुअरों का समूह स्थापित होने के बाद, मादा एवं पर सुअरों का प्रतिस्थापन, संकरण करें।

● जब मादा सुअर को प्रजनन समूह में रखना हो तब उसका वजन करीब 90 किलोग्राम हो।

● वयस्क मादा सुअरों का चयन करते समय देखें कि उनकी मॉ अधिकांश बच्चे बयाने वाली हो।

● बाजार की मांग के अनुरूप हो, कम से कम समय में अधिक वजन प्राप्त हो।

● यह वांछनीय है कि मादा सुअर से मेटिंग करे और प्रतिदिन उनका वजन बढ़ें। साथ ही दाना मांस में परिवर्तित करने की क्षमता हो।

किसी भी ब्रीडिंग फार्म के लिए नर सुअरों का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। नर सुअर सदैव ब्रीडर फार्म से खरीदें जिन्हें इनके बारे सही जानकारी हो। नर सूअर सदैव ऐसे हो कि अच्छी किस्म की मादा से पैदा हुए हों, जो अत्यधिक बच्चे पैदा करती हो। दूध छोड़ने के बाद सूअर का वजन 90 किलोग्राम हो।

नर व मादा सुअरों का प्रतिस्थापन के दौरान मुख्य बिन्दुओं का ध्यान रखें-

● सुअर की मां हमेशा 8 से अधिक बच्चे पैदा करने वाली रही हो। दूध छोड़ने के समय (56 दिन) मादा सूअर का वजन 120 किलोग्राम से कम न हो। नर व मादा दोनां ही 6 माह में 90 किलोग्राम वजन प्राप्त कर लें।

● सुअर का शरीर पर्याप्त लम्बाई और गहराई वाला हो एवं कसा हुआ मांसल शरीर हो।

● सुअर का पैर व पजें मजबूत हो। सुअर का पिछला हिस्सा मांसल सुअर की वसा का मात्रा को इंगित करता है जैसे कि मादा सुअर में 4 सेमी मोटाई का पिछला हिस्सा मांसल हो, एवं नर सुअर में 3.2 सेमी पिछला हिस्सा होना चाहिए।

● मादा सुअर में 12 की संख्या में कार्यशील चुचुक हो। बंद चुचुक वाले जानवर नहीं पालने चाहिए, क्योंकि इनसे दूध नहीं निकलता है, और यह दोष अनुवांशिक भी होता है।

● चयन के दौरान ब्रसेल और लेपटोस्पयरा का टीका लगा होना चाहिए।

● सुअर सभी प्रकार की संक्रामक बीमारियों से मुक्त हो।

खाद्य आहार प्रबंधन

● सबसे सस्ते खाद्य आहार घटकों का इस्तेमाल हो।

● मक्का, ज्वार, बाजरा, गेंहू , चावल आदि का प्रयोग हो।

● प्रोटीन घटकों में आयल केक, मछली का चूना खली हो।

● सुअर सदि बाहर घास चरते हैं तो उन्हें कोई भी विटामिन घटक देने की जरुरत नहीं है, यदि उन्हें पशु प्रोटीन नहीं देते हैं, तब विटामिन बी 12 का घटक दें।

● प्रति किलो राशन में 11 मिलीग्राम एंटीबायोटिक का मिश्रण दें।

● खनिज मिश्रण का पर्याप्त मिलान हो सभी प्रकार के दानों का मिश्रण पिसा हुआ हो गीला दाना नहीं पिसाना चाहिए, सूखा दाना पिसाई करना चाहिए। गीली पिसाई में अधिक समय व श्रम लगता है। यदि दाने में फाइबर अधिक है, तो पेलेटेड दाना बनाना चाहिए। पेलेटेड दाने से आहार की बर्बादी रुक जाती है।

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए

● सुअर के लीटर की ताकत एवं जैव शक्ति, दूध उत्पादन की क्षमता।

● लाभ, दाना परिवर्तित करने की क्षमता।

पौध नर्सरी महिलाओं की आय का स्त्रोत

पौध तैयार करने के लिए वैज्ञानिक सूझ-बूझ का ध्यान दें ताकि मेहनत, लागत, खर्च व समय की बचत हो सके।

स्थान एवं भूमि का चुनाव

➢ अच्छी नर्सरी के लिए उचित जल निकास वाली बलुई दोमट भूमि अच्छी होती है।

➢ क्यारी का चयन ऊंचे स्थान पर करें जहां पर पानी का जमाव बिल्कुल न हो। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष पौधशाला नई जगह पर उगायें।

➢ सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था हो।

➢ आवास से कम दूरी पर नहीं हो ताकि पौधशाला की देखरेख व निरीक्षण समय-समय पर हो सके।

नर्सरी में पौध तैयार करने की विधि

अ : पॉली बैग में पौध तैयार करना - इस विधि के लिए 200 गेज मोटी पालीथिन शीट के बने 20×10 सेमी आकार वाले पाली बैगों की आवश्यकता होती है। इन पालीबैगों में नीचे तथा बगल में छेद कर दें। जिससे वायु का संचार व उचित जल निकास बना रहता है। इन थैलियों में छनी हुई सड़ी गोबर की खाद तथा मोटी बालू का समानुपाती मिश्रण भरा जाता है मिश्रण भरने से पहले मिट्टी का निजर्मीकरण कर लिया जाता है। कद्दूवर्गीय (करेला, लौकी, स्कवाश, कद्दू, तरबूज आदि) बीजों का आवरण सख्त होने के कारण बोने से पहले रातभर पानी में भिगा दें। प्रत्येक बैग में आधा से एक सेमी की गहराई पर दो से तीन बीज बोकर हल्की सिंचाई कर दें मुख्यतः वर्षा ऋतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। इसके साथ-साथ खरपतवार निकालने और कीट व फफूंदनाशक दवा के प्रयोग करने में सुविधा होती है

ऊंची उठी हुई क्यारी विधि

मुख्यत: वर्षा ऋतु में पौध तैयार करने के लिए 3 से 5 मीटर चौड़ी तथा जमीन की सतह से 15 से 20 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियों के बीच में 30 से.मी. स्थान अवश्य छोड़ें इससे वर्षा का पानी इस स्थान से होता हुआ बाहर निकल जाता है तथा क्यारी ऊंची करने के लिए मिट्टी इसी स्थान से मिल जाती है। पौधशाला का स्थान थोड़ा ऊंचाई व ढालू हो ताकि वहां पानी न भरे। सूर्य का प्रकाश पूरे दिन मिले। 1 वर्ग मी. में 2 किग्रा. पकी गोबर की खाद तथा भारी मिट्टी में 2-3 किग्रा. बालू मिला दें। मिट्टी में फफूंद नाशक जैसे कैप्टान 5-6 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर मिट्टी तर कर दें। इसी प्रकार कीटनाशक के रूप में फ्यूराडान की 5 ग्राम मात्रा प्रति वर्ग मीटर पौधशाला की क्यारी में मिलायें।

बीजोपचार - बीजों को 2 ग्राम थाइरम कैप्टान तथा 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित कर बोयें।

मृदा सौर्यन या आतपन द्वारा

यह निजर्मीकरण की सबसे सस्ती विधि है। इस विधि में क्यारियां बुवाई के 7.8 सप्ताह पूर्व तैयार की जाती है तथा इनको पानी से पूरी तरह तर करके नम करते हैं। इसके पश्चात 200 से 300 गेज मोटी पारदर्शी प्लास्टिक से क्यारियों को चारों तरफ भली-भांति ढककर गीली मिट्टी से दबाकर वायुरोधित कर देते हैं। इस प्लास्टिक आवरण को 7.8 सप्ताह पश्चात एवं बीज बोने से 2.3 दिन पूर्व ही हटायें। यह विधि उसी दशा मे पूर्णतया प्रभावकारी होती है। जब दिन का तापमान 35 से 40 डिग्री सैल्सियस या इससे अधिक हो तथा मौसम शुष्क एवं सूर्य चमकदार हो। पौधशाला में आर्द्रगलन बीमारी अधिक लगती है। इस बीमारी की रोकने के लिये ट्राईकोडर्मा 6-8 ग्राम 1 किग्रा बीज के लिये ओर 10-20 ग्राम 1 कि.ग्रा. कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाकर एक वर्गमीटर मृदा के शोधन के लिए प्रयोग करें।

नर्सरी से उपज व आमदनी -पौध नर्सरी की 3×10 मीटर क्षेत्र में नर्सरी स्थापना (भूमि की तैयारी, समतलीकरण, क्यारियों का निर्माण, पौध संरक्षण दवायें, बीज, गोबर खाद हेतु) के प्रारम्भ में लगभग 3000 रुपये व्यय आता है जो बाद में 2000-3000 प्रति 30 वर्ग मीटर आता है जिससे 2,00,000 पौधे प्राप्त किये जा सकते है सब्जियों की पौध बिक्री 25 रू. प्रति सैकड़ा करने से 8000-10000 रुपये की आमदनी होती है।

लघुधान्य फसलों की उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी

ये फसलें प्रायः हर प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती हैं। जहां कोई अन्य धान्य फसल उगाना संभव नहीं होता, वहां भी ये फसलें सफलतापूर्वक उगाई जा सकती हैं। उतार-चढ़ाव वाली, कम जलधारण क्षमता वाली, उथली सतह वाली आदि कमजोर किस्म की भूमि में यह फसलें अधिकतर उगाई जा रही हैं। हल्की भूमि में, जिसमें पानी का निकास अच्छा हो, इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती हैं।

बीज का चुनाव एवं मात्रा

भूमि की किस्म के अनुसार उन्नत किस्म के बीज का चुनाव करें। हल्की पथरीली व कम उपजाऊ भूमि में जल्दी पकने वाली जातियों का तथा मध्यम गहरी व दोमट भूमि में एवं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में देर से पकने वाली जातियों की बोनी करें। लघु धान्य फसलों की कतारों में बुवाई के लिए 8-10 किलोग्राम बीज तथा छिटकवां बोनी के लिए 12-15 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

बोने का समय, बीजोपचार एवं बोने का तरीका

वर्षा आरंभ होने के तुरंत बाद लघु धान्य फसलों की बोनी कर दें। शीघ्र बोनी करने से उपज अच्छी प्राप्त होती है। कोदों में सूखी बोनी मानसूनी वर्षा आने के दस दिन पूर्व करने पर उपज में अन्य विधियों से अधिक उपज प्राप्त होती है। बोनी के पूर्व बीज को मेंकोजेब या थायरम दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। ऐसा करने से बीज जनित रोगों एवं कुछ हद तक मिट्टी जनित रोगों से फसल की सुरक्षा होती है। कतारों में बोनी करने पर कतार से कतार की दूरी 20-25 सेमी तथा पौधों से पौधों की दूरी 7 सेमी उपयुक्त पाई गई है। इसकी बोनी 2-3 सेमी गहराई पर करें। प्रयोगों द्वारा पाया गया है कि कोदों में 6-8 लाख एवं कुटकी में 8-9 लाख पौधे प्रति हेक्टेयर अधिकाधिक उत्पादन वृद्धि हेतु आवश्यक होता है।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

प्रायः किसान इन लघु धान्य फसलों में उर्वरक का उपयोग नहीं करते हैं। किन्तु कुटकी, कंगनी, सांवा के लिए 40 किलो यूरिया, 125 किलो स्फुर/ हेक्टेयर तथा कोदो एवं रागी के लिए 87 किलो यूरिया व 125 किलो स्फुर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करने से उपज में वृद्धि होती है। उपरोक्त नत्रजन की आधी मात्रा व स्फुर की पूरी मात्रा बुवाई के समय एवं नत्रजन की शेष आधी मात्रा बुवाई के तीन से पांच सप्ताह के अंदर निंदाई के बाद दें।

निंदाई गुड़ाई

बुवाई के 20-30 दिन के अंदर एक बार हाथ से निंदाई करें तथा जहां पौधे न उगे हो वहां पर अधिक घने उगे पौधों को उखाड़कर रोपाई करके पौधों की संख्या उपयुक्त करें। यह कार्य 20-25 दिनों के अंदर कर ही लें। यह कार्य पानी गिरते समय सर्वोत्तम होता है।

उन्नत जातियां

(अ) कोदों - जवाहर कोदों 48 (डिण्डौरी-48), जवाहर कोदों - 439, जवाहर कोदों - 41, जवाहर कोदों - 62, जवाहर कोदों - 76, जीपीयूके - 3

(ब) कुटकी - जवाहर कुटकी - 1(डिण्डौरी-1), जवाहर कुटकी-8, सीओ- 2, पीआरसी - 3

(स) रागी - एचआर-374, आरएयू-8, जेएनआर-2, जेएनआर-852, जेएनआर-1008

(द) कंगनी - अर्जुना, - एसआईए-326

(ई) सांवा - व्हीएल-29, के-1

(फ) चीना - जीपीयू-17, के-1

फसल की कटाई-गहाई एवं भण्डारण

फसल पकने पर कोदों व कुटकी को जमीन की सतह के ऊपर कटाई करें। खलिहान में रखकर सुखाकर बैलों से गहाई करें। उड़ावनी करके दाना अलग करें। रागी सांवा एवं कंगनी को खलिहान में सुखाकर तथा इसके बाद लकड़ी से पीटकर अथवा पैरों से गहाई करें। दानों को धूप में सुखाकर भण्डारण करें।

इंडिगो का अगले साल तक 1000 महिला पॉयलेट करने का लक्ष्य

मुंबई । देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने अपने वर्कफोर्स में अगले साल तक महिला पायलटों की संख्या 1,000 से अधिक करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में एयरलाइन कंपनी के पास 800 से अधिक महिला पायलट हैं। इंडिगो के फ्लीट और नेटवर्क के विस्तार के साथ कंपनी ने विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए इस योजना की घोषणा की है। इंडिगो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि देश की ये एयरलाइन कंपनी इंजीनियरिंग और फ्लाइट कर्मचारियों सहित हर` विभाग में काम करके बड़े पैमाने पर समावेशिता को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा` कि हर कार्य क्षेत्र में हम विविधता और समावेशिता को बढ़ावा दे रहे हैं। हम इसके लिए 360 डिग्री दृष्टिकोण अपनाते हैं। इंजीनियरिंग में महिलाओं की संख्या में कुल मिलाकर करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अे धिकारी के मुताबिक इंडिगो में सबसे ज़्यादा महिला पायलट हैं, जो अब 800 से भी ज़्यादा हैं। कंपनी में कुल करीब 14 प्रतिशत महिला पायलट हैं, जबकि ग्लोबल ऐवरेज सात से नौ प्रतिशत महिला पायलटों का है। उन्होंने कहा` कि हम एक साल में 1,000 महिला पायलटों की संख्या पार कर लेंगे। रोजाना 2,000 से ज्यादा विमान संचो लित करने वाली इस स्वदेशी एयरलाइन कंपनी के पास अभी 5,000 से भी ज्यादा पायलट हैं। बुधवार को इंडिगो ने देश की आजादी के 77 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए अपने एयरबस और एटीआर विमानों के लिए 77 महिला पायलटों को शामिल किया। एयरलाइन के पास 31 मार्च, 2024 तक 36,860 स्थायी कर्मचारी थे, जिनमें 5,038 पायलट और 9,363 केबिन क्रू शामिल थे। गिनती में 713 महिला पायलट शामिल थीं। इसमें एलजीबीटीक्यू वर्ग के कर्मचारी भी हैं।

एसबीआई ने लोन की ब्याज दरें बढ़ाईं

– 15 अगस्त से लागू हो गई नई दरें

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने लोन की ब्याज दरों में 0.10 फीसदी का इजाफा किया है, ये बदलाव अलग-अलग टैन्योर के कर्ज को प्रभावित करेगा। इस फैसले के बाद बैंक से लोन लेना महंगा हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा एमसीएलआर में की गई बढ़ोतरी के बाद अब नए लोन की दरें 15 अगस्त से लागू कर दी गई हैं। ये बीते तीन महीनों में देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक द्वारा कर्ज की दरों में की गई लगातार तीसरी बढ़ोतरी है। नई दरों के लागू होने के साथ 3 साल के टैन्योर के लिए एमसीएलआर इससे पहले के 9 फीसदी से बढ़कर 9.10 फीसदी हो गया है, जबकि ओवरनाइट एमसीएलआर 8.10 फीसदी से बढ़कर 8.20 फीसदी हो गया है। एसबीआई द्वारा अपने कर्ज की दरों में की गई इस बढ़ोतरी से पहले कई बैंक अपने एमसीएलआर में संशोधन कर चुके हैं और इनकी नई दरें इसी महीने से लागू हो चुकी हैं। इस लिस्ट में बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और यूको बैंक समेत अन्य नाम शामिल हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक ने अपनी नई दरों को 12 अगस्त से प्रभावी कर दिया है, जबकि यूको बैंक की बदली हुई दर 10 अगस्त 2024 से प्रभावी है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.94 पर स्थिर

मुंबई । कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों तथा घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी को लेकर चिंताओं के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.94 पर स्थिर रहा। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू और वैश्विक शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा तथा कमजोर अमेरिकी मुद्रा से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.94 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया बुधवार को 83.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.80 पर रहा।

यूपीआई के नए फीचर में एक ही बैंक खाते से दो लोग कर सकते हैं भुगतान

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)प्लेटफॉर्म पर एक नया फीचर पेश किया है, जिससे ग्राहक अपने यूपीआई अकाउंट्स को दूसरों के साथ साझा कर सकेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई सर्कल डेलिगेट पेमेंट्स एक ऐसा फीचर है जिसमें यूपीआई अकाउंट का मास्टर एक्सेस अकाउंट होल्डर के पास रहता है लेकिन वह किसी और को भी भुगतान करने के लिए अकाउंट का एक्सेस दे सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के डिजिटल बैंकिंग संचालन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है कि यह फीचर परिवार के सदस्यों या परिचितों को भुगतान करने का अधिकार सौंपने का एक नया तरीका है। इसके जरिए दो व्यक्ति एक ही बैंक खाते से यूपीआई भुगतान कर सकते हैं। इस फीचर के तहत प्राइमरी यूजर सेकेंडरी यूजर के लिए एक मेन्डेट बना सकता है। प्राइमरी यूजर सेकेंडरी यूजर को पूरी या आंशिक रूप से भुगतान करने का अधिकार दे सकता है। यदि पूरा अधिकार दिया जाता है, तो सेकेंडरी यूजर को प्राइमरी यूजर द्वारा निर्धारित राशि का सीधे भुगतान करने का अधिकार होगा। आंशिक अधिकार की स्थिति में, सेकेंडरी यूजर को हर लेनदेन के लिए प्राइमरी यूजर से अनुमति का अनुरोध करना होगा। प्राइमरी यूजर सेकेंडरी यूजर के लिए ट्रांजेक्शन लिमिट भी सेट कर सकता है। एनपीसीआई के

मुताबिक पूरे अधिकार पर अधिकतम मासिक सीमा 15,000 रुपए होगी। आंशिक डेलीगेशन के लिए मौजूदा यूपीआई सीमा लागू होगी।

यूजिया फार्मा को यूएसएफडीए से मिला चेतावनी पत्र

नई दिल्ली । अरबिंदो फार्मा लिमिटेड की शाखा यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज को तेलंगाना में उसकी विनिर्माण इकाई के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से चेतावनी पत्र प्राप्त हुआ है। इससे पहले मई में कंपनी ने बताया था कि उसकी पूरी स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज लिमिटेड की फॉर्मूलेशन विनिर्माण इकाई यूनिट-3 को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने आधिकारिक कार्रवाई संकेतित (ओएआई) के तौर पर वर्गीकृत किया है। अरबिंदो फार्मा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा` कि ओएआई के बाद इकाई को एक चेतावनी पत्र मिला है। कंपनी ने इस चेतावनी को लेकर जानकारी साझा नहीं की और हालांकि कहा` कि अमेरिकी बाजारों में मौजूदा आपूर्ति पर इससे कोई असर नहीं होगा। अरबिंदो फार्मा ने कहा कि वह यूएसएफडीए के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर आधार पर अपने अनुपालन को बढ़ा रही है। गौरतलब है कि यूएसएफडीए के अधिकारियों ने 22 जनवरी से दो फरवरी 2024 तक तेलंगाना में यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज लिमिटेड की विनिर्माण सुविधा यूनिट-3 का निरीक्षण किया था। इसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस सुविधा की निरीक्षण वर्गीकरण स्थिति को आधिकारिक कार्रवाई संकेतित (ओएआई) निर्धारित किया था।

देश के 42 शहरों में 2,000 आवासीय परियोजनाएं अटकीं:प्रॉपइक्विटी

नई दिल्ली ।

देश के 42 शहरों में 5.08 लाख इकाइयों के साथ लगभग 2,000 आवासीय परियोजनाएं रुकी हुई हैं। डेटा एनालिटिक्स कंपनी प्रोपइक्विटी के अनुसार इसकी मुख्य वजह डेवलपर्स द्वारा वित्तीय कुप्रबंधन और क्रियान्वयन क्षमताओं की कमी है। प्रोपइक्विटी के आंकड़ों के अनुसार, 1,981 आवासीय परियोजनाएं रुकी हुई हैं, जिन में घरों की कुल संख्या 5.08 लाख है। इन रुकी हुई परियोजनाओं में से 1,636 परियोजनाएं 14 पहली श्रेणी के शहरों में हैं, जिनमें 4,31,946 इकाइयां रुकी हैं। जबकि 345 परियोजनाएं 28 दूसरी श्रेणी वाले शहरों में हैं, जिनमें 76,256 इकाईयां हैं। इसमें यह भी बताया गया कि रुकी हुई इकाइयों की संख्या बढ़कर 5,08,202 हो गई है, जो 2018 में 4,65,555 इकाई थी। प्रॉपइक्विटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि रुकी हुई परियोजनाओं की समस्या और उसके बाद उनमें वृद्धि, डेवलपर्स की निष्पादन क्षमताओं की कमी, नकदी प्रवाह के कुप्रबंधन और नए भूखंड खरीदने या अन्य कर्ज चुकाने के लिए धन के उपयोग के कारण है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 1330 , निफ्टी 397 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1330 अंक करीब 1.68 फीसदी बढ़कर 80,436 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 397 अंक करीब 1.66 फीसदी ऊपर आकर 24,543.35 पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.77 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 449.06 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आईटी शेयरों में उछाल के कारण भी सभी 13 प्रमुख क्षेत्रों में बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान सीडीएसएल, जेनसर टेक, पीरामल एंटरप्राइज, पॉलिसी बाजार सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि हिंदुस्तान जिंक, रतनइंडिया इंफ्रा, मैक्स फाइनेंशियल, वरुण बेवरेजेज नुकसान वाले शेयर रहे। निफ्टी में विप्रो, एलटीआईमाइंडट्री, टेक महिंद्रा, एमएंडएम और टाटा मोटर्स के शेयर ऊपर आये। निफ्टी पर सबसे ज्यादा लाभ गिरावट सन फार्मा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, डिविस लैब्स, एचडीएफसी लाइफ और मारुति सुजुकी के शेयरों में रही। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई.सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज लाभ के साथ ही ऊपर आये। हरे निशान में कारोबार किए.इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सेंसेक्स 611 अंकों की उछाल के साथ ही 79,717.68 अंक पर जबकि निफ्टी 0.79 फीसदी बढ़कर 24,334.85 पर खुला। वहीं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को भारतीय शेयर, बांड,

और कमोडिटी बाजार बंद रहे। वॉल स्ट्रीट के प्रदर्शन से प्रेरित होकर एशियाई बाजार सक्रिय दिख रहे हैं। जापान का निक्केई 2.76 फीसदी की बढ़त के साथ ही सबसे आगे रहा। इसके बाद कोस्पी और एएसएक्स 200 रहे, जो क्रमशः 1.70 फीसदी और 1.32 फीसदी बढ़त में है। अमेरिका में हालिया आर्थिक आंकड़ों से मंदी की आशंका कम होने के बाद बाजार बढ़त के साथ बंद हुए

आज से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है पिक्सल 8 प्रो एक्सएल

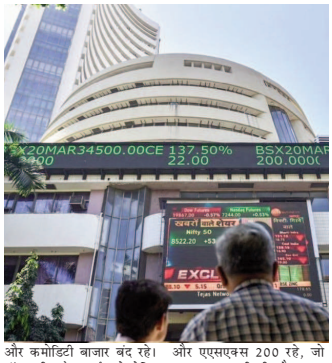

नई दिल्ली ।

गूगल कंपनी का सबसे महंगा मॉडल पिक्सल 8 प्रो एक्सएल है। गूगल ने इसे आज से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध करा दिया गया है।

फोन की शुरुआती कीमत 1,24,999 रुपये रखी है। फोन की सेल 22 अगस्त से शुरू कर दी जाएगी। इस फोन का कैमरा सबसे कमाल का है और खास बात ये है कि इस प्रीमियम फोन में 42 मेगापिक्सल का डुअल पीडी कैमरा दिया गया है। गूगल पिक्सल द्य 9 प्रो एक्सएल में 6.8 इंच का सुपर एक्टुआ डिस्प्ले मिलता है, जिसकी पीक ब्राइटनेस 3,000 निट्स और 1344 एक्स 2992 पिक्सल रेजोलूशन है। ये 486 पीपीआई, 20:9 आस्पेक्ट रेशियो और 1 एचझेड-120 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला एलटीपीओ ओलेड पैनल दिया गया है।

इसका डिस्प्ले कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 की प्रोटेक्शन के साथ आता है। इसमें गूगल टेन्सर जी4 एसओसी है, जिसे टाइटन एम2 सिक्योरिटी कोप्रोसेसर, 16जीबी रैम और 512जीबी तक स्टोरेज के साथ जोड़ा गया है। साथ ही इसमें 128जीबी,256जीबी, 1टीबी की स्टोरेज भी दी जाती है।फोन का प्रो मॉडल 30 एफपीएस पर 8के वीडियो रिकॉर्डिंग का सपोर्ट करते हैं पिक्सल द्य 9 प्रो एक्सएल एक अडिशनल टेम्प्रेचर सेंसर के साथ आता है और एक अल्ट्रा-वाइडबैंड चिप पेश करता है। गूगल पिक्सल द्य 9 प्रो सीरीज़ में एड मी फीचर शामिल किया गया है, जहां फोटो खींचने के बाद किसी नए व्यक्ति को तस्वीर में जोड़ा जा सकता है। गूगल पिक्सल द्य 9 प्रो एक्सएल में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया जाता है, जिसमें 50-मेगापिक्सल एमपी ऑक्टा पीडी वाइड कैमरा, 48-मेगापिक्सल क्वाड पीडी अल्ट्रावाइड कैमरा और 30एक्स सुपर रेस के साथ 48-मेगापिक्सल क्वाड पीडी टेलीफोटो कैमरा शामिल है। ज़ूम और 5एक्स ऑप्टिकल ज़ूम की सुविधा भी है।

सेल्फी और वीडियो चैट के लिए फोन में ऑटोफोकस के साथ 42 मेगापिक्सल का डुअल पीडी सेल्फी कैमरा मिलता है।

ईकॉम एक्सप्रेस आईपीओ के जरिये जुटाएगा 2600 करोड़

नई दिल्ली ।

ईकॉम एक्सप्रेस ने आरंभिक सार्वनजिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,600 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल आईपीओ दस्तावेज के अनुसार निर्गम 1,284.50 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 1,315.50 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी के अनुसार आईपीओ से अर्जित पूंजी में से 387.44 करोड़ रुपये का उपयोग स्वचालन के साथ नए प्रसंस्करण केंद्र और नए पूर्ति केंद्र स्थापित करने के लिए किया जाएगा। 73.71 करोड़ रुपये कंप्यूटर तथा आईटी उपकरणों के लिए और 239.23 करोड़ रुपये प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान क्षमताओं तथा क्लाउड बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर खर्ज किए जाएंगे। 87.92 करोड़ रुपये से कर्ज चुकाया जाएगा। कंपनी आईपीओ पूर्व निर्गम में 257 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार घटा दिया जाएगा। ईकॉम एक्सप्रेस पूरे भारत में एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स नेटवर्क संचालित करती है। आवश्यक लॉजिस्टिक्स बनुयादी ढांचे की पेशकश और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कंपनी देश भर के उपभोक्ताओं के साथ डिजिटल खुदरा विक्रेताओं तथा ई-वाणिज्य मंचों को जोड़ती है।

रिलायंस की वायकॉम18 अपने कुछ टीवी चैनल कर सकती है बंद

मुंबई

रिलायंस की मीडिया कंपनी वायकॉक 18 अपने कुछ हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के चैनलों को बंद करने पर वचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार वॉल्ट डिज्नी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने विलय प्रस्ताव के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी लेने हेतु स्टार इंडिया और वायकॉम18 के कुछ हिंदी और क्षेत्रीय चैनलों को बंद करने की पेशकश की है। विलय के बाद दोनों कंपनियां प्रमुख हिंदी जीईसी चैनलों जैसे स्टार प्लस और कलर्स को बनाए रखते हुए कुछ अन्य चैनल बंद कर सकती हैं। इसके अलावा यह कन्नड़, मराठी और बांग्ला भाषा के बाजारों में चैनल बंद करने की योजना बना रही है। विलय के बाद बनने वाली स्टार और वायकॉम18 की यूनिट हिंदी, जीईसी, कन्नड़, बांग्ला और मराठी बाजारों में 40 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी होगी। स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टिंग तो इसका एकाधिकार होगा। उसके पास सभी प्रमुख क्रिकेट और नॉन-क्रिकेट खेलों को ब्रॉडकास्टिंग राइट्स होंगे। अगर किसी भी एंटिटी के पास किसी भी कैटगरी में 40 फीसदी से अधिक बाजार हिस्सेदारी होती है तो सीसीआई की नजर में यह वर्चस्व माना जाता है। इस मामले में आरआईएल और डिज्नी ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

सिस्को 6,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई ।

सिस्को अपने वैश्विक कार्यबल में 7 फीसदी की कटौती करने की योजना बना रही है। यह दूसरी बार है जब टेक कंपनी ने इस साल छंटनी की घोषणा की है। इससे पहले फरवरी में सिस्को ने करीब 4,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। इन दिनों कई कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इसी कड़ी में सिस्को में भी छंटनी की योजना पर काम हो रहा है। कंपनी ने फाइलिंग में कहा कि सिस्को ने प्रमुख विकास अवसरों में निवेश करने और अपने व्यवसाय में अधिक दक्षता लाने के लिए एक पुनर्गठन योजना की घोषणा की है। इस पुनर्गठन योजना से सिस्को के वैश्विक कार्यबल के लगभग 7 प्रतिशत पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।फाइलिंग में बताया गया है कि सिस्को छंटनी और अन्य उपायों के माध्यम से लागत में 1 बिलियन डॉलर की कटौती करने की योजना बना रहा है। इस प्रक्रिया में विच्छेद और अन्य एकमुश्त समाप्ति लाभ के साथ-साथ अतिरिक्त अन्य लागतें शामिल होंगी, जैसा कि कंपनी ने उल्लेख किया है, सिस्को को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में इन शुल्कों में से लगभग 700 मिलियन से 800 मिलियन की पहचान होगी और शेष राशि वित्त वर्ष 2025 के शेष समय के दौरान पहचानी जाने की उम्मीद है। टेक उद्योग ने 2024 में छंटनी की लहर देखी है। हाल ही में, इंटेल ने 15,000 नौकरियों में कटौती की घोषणा की, जबकि माइक्रोसॉफ्ट,

अमेज़ॅन और गूगल सहित बड़ी टेक कंपनियों ने भी अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती की है।

ऊर्जा भंडारण में निवेश पहली छमाही में बढ़कर 15.4 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश जनवरी-जुलाई में दोगुना से अधिक बढ़कर 15.4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक अमेरिकी शोध कंपनी की नई रिपोर्ट के अनुसार निवेश में वेंचर कैपिटल (वीसी) वित्तपोषण, ऋण वित्तपोषण और सार्वजनिक बाजार वित्तपोषण शामिल हैं। फंडिंग एंड एमएंडए रिपोर्ट फॉर स्टोरेज एंड ग्रिड शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली छमाही में ऊर्जा भंडारण कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट वित्तपोषण 64 सौदों के जरिये 15.4 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 117 प्रतिशत अधिक है। 2023 की पहली छमाही में यह 59 सौदों में 7.1 अरब अमरीकी डॉलर था। रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली छमाही में ऊर्जा भंडारण कंपनियों के लिए वीसी वित्त पोषण 37 प्रतिशत बढ़कर 48 सौदों में 2.4 अरब अमरीकी डॉलर रहा। यह 2023 की पहली छमाही में 43 सौदों में 3.8 अरब अमरीकी डॉलर रहा था। ऊर्जा भंडारण कंपनियों के लिए ऋण तथा सार्वजनिक बाजार वित्तपोषण 2024 की पहली छमाही में 16 सौदों के जरिये 13 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 में इसी अवधि के दौरान 16 सौदों के जरिये जुटाए गए 3.3 अरब अमरीकी डॉलर से 294 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं 2024 की पहली छमाही में 14 विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) लेनदेन हुए। 2023 में इसी अवधि में आठ विलय एवं अधिग्रहण लेनदेन हुए थे। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 की पहली छमाही में स्मार्ट ग्रिड कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट वित्त पोषण 36 सौदों में कुल 1.6 अरब अमरीकी डॉलर रहा, जो 2023 की इसी अवधि में 33 सौदों में जुटाई गई 1.8 अरब अमरीकी डॉलर की तुलना में 11 प्रतिशत कम है।

भारत ने जुलाई में रूस से 2.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा

मुंबई

विश्व के प्रमुख तेल उपभोक्ता और आयातक भारत ने जुलाई में रूस से 2.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा।` जिससे भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है, जो रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार रूस भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। इस तेल को रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित किया जाता है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद कुछ यूरोपीय देशों द्वारा रूस से खरीद से परहेज करने के बाद रूसी तेल छूट पर उपलब्ध था। रूस से कच्चे तेल का आयात यूक्रेन युद्ध से पहले कुल आयातित तेल का एक प्रतिशत से भी कम था। यह अब भारत की कुल तेल खरीद का लगभग 40 प्रतिशत हो गया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि चीन ने रूस के कच्चे तेल निर्यात का 47 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (37 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (सात प्रतिशत) और तुर्किये (छह प्रतिशत) रहा। सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि चीन और भारत ने रूस से कोयला भी खरीदा। रिपोर्ट के अनुसार, पांच दिसंबर, 2022 से जुलाई, 2024 के अंत तक चीन ने रूस के कुल कोयला निर्यात का 45 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (18 प्रतिशत) का स्थान रहा। तुर्किये (10 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (10 प्रतिशत) और ताइवान (पांच प्रतिशत) शीर्ष पांच खरीदार हैं।

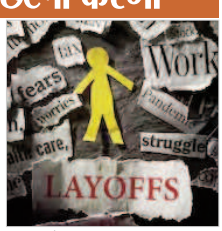

एसए20 के तीसरे सत्र के लिए एक अक्टूबर को होगी खिलाड़ियों की नीलामी

डरबन (एजेंसी)। एसए20 लीग के तीसरे सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी एक अक्टूबर को होगी जिसमें 13 खिलाड़ी चुने जाएंगे। लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने यह जानकारी दी। एसए20 का अगला सत्र 9 जनवरी से 8 फरवरी 2025 के बीच खेला जाएगा। सत्र से पहले रिटेंशन (खिलाड़ियों को बरकरार रखना) और पहले ही करार करने की विंडो खत्म होने के बाद टीमों को 13 और खिलाड़ियों को चुनने का मौका मिलेगा।

भारत के रिटायर्ड विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक हाल ही में पार्ल रॉयल्स से जुड़े हैं जो इस लीग में खेलने वाले पहले भारतीय होंगे। इसके अलावा हर टीम को तीसरे सत्र के लिए नया खिलाड़ी चुनना होगा जबकि तीन टीमों को 30 दिसंबर से पहले वाइल्ड कार्ड की घोषणा करनी है।

कार्तिक के अलावा बेन स्टोक्स, केन विलियमसन, जो रूट, ट्रेंट बोल्ट, जॉनी बेयरस्टो, डेवोन कोंवे, जाक क्राउली, राशिद खान और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी इसमें भाग लेंगे। स्मिथ ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'स्थानीय सितारों एडेन मार्क्रम, कैगिसो

रबाडा और हेनरिच क्लासेन के साथ अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों के आने से यह बेहतरीन सत्र होने वाला है। हमें टीमों द्वारा बरकरार रखे गए सभी घरेलू क्रिकेटरों पर गर्व है।''

नीलामी से पहले टीमें

डरबन सुपर जाइंट्स: ब्रेंडन किंग, क्विंटोन डिकॉक, नवीनुल हक, केन विलियमसन, क्रिस वोक्स, प्रेनेलान सुब्रायेन, ड्वेन प्रिटोरियस, केशव महाराज , नूर अहमद, हेनरिच क्लासेन, जोन जोन स्मट्स, वियान मूल्डर, जूनियर डाला, ब्रायन पर्सस, मैथ्यू ब्रीज्के, जैसन स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस।

जोबर्ग सुपर किंग्स : फाफ डु प्लेसी, मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, महीष तीक्षणा, डेवोन कोंवे, गेराल्ड कोएत्जी, डेविड वीसे, लियूस डु प्लोय, लिजाड विलियम्स, नांद्रे बर्गर, डोनावोन फरेरा, इमरान ताहिर, सिबोनेलो मखांया, तबरेज शम्सी।

एमआई केपटाउन : राशिद खान , बेन स्टोक्स, कैगिसो रबाडा, ट्रेंट बोल्ट, अजमतुल्लाह उमरजई, डेवाल्ड ब्रेविस, रियान रिकेलटन, जॉर्ज लिंडे , नुवान तुषारा, कोनोर ईस्टरहुइजेन, डेलानो पी, रासी वान डेर डुसेन, थॉमस काबेर, क्रिस बेंजामिन।

प्रिटोरिया कैपिटल्स: एनरिच नॉर्किया, जिम्मी नीशाम, विल जैक्स, रहमानुल्लाह गुरबाज, विल स्मीड, मिगेल प्रिटोरियस, रिली रोसोयू, ईथान बॉश, वेन परनेल, सेनुरान मुथुसामी, काइल वेरेने, डेरिन डुपाविलोन, स्टीव स्टोक, टियान वान वुरेन।

पार्ल रॉयल्स : डेविड मिलर, मुजीबुर रहमान, सैम हैन, जो रूट, दिनेश कार्तिक, क्वेना माफाका, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, ब्योर्न फोर्टुन, लुइंग एंगिडि, मिचेल वान बूरेन, कीथ डजोन, एनकाबा पीटर, एंडिले फेलिकुवायो, कोडी युसूफ, जॉन टर्नर, डी गालियेम, जैकब बेथेल।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप : एडेन मार्क्रम, जाक क्राउली, रोल्ड वान डेर मर्वे, लियाम डॉसन, ओटनील बार्टमैन, मार्को जेनसन, बेयर्स स्वानपोएल, कालेब सेलेका, ट्रिस्टन स्टब्स, जोर्डन हर्मान, पैट्रिक क्रूगर, क्रेग ओवर्टन, टॉम एबेल, सिमोन हार्मर, एंडिले सिमेलेन, डेविड बेडिंघम।

नये एनसीए में क्रिकेटरों के अलावा एथलीट भी कर सकेंगे अभ्यास : जय शाह

मुंबई(एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि कुछ ही समय में नई राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) तैयार हो जाएगी। जय शाह ने कहा कि इसमें क्रिकेट के अलावा एथलेटिक्स सहित अन्य खेलों से जुड़े खिलाड़ी भी अभ्यास कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि बोर्ड हमेशा भारतीय एथलीटों को बेहतर सुविधाएं देने के पक्ष में रहा है। साथ ही कहा , इस नये एनसीए में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित कई अन्य ओलंपियन खिलाड़ी भी अभ्यास कर सकेंगे। नई एनसीए का उद्घाटन अगले महीने होने की संभावना है। ये हाई परफॉरमेंस सेंटर बीसीसीआई की सबसे बड़ी योजनाओं का हिस्सा रहा है। हाल ही में जय शाह ने नीरज चोपड़ा से मुलाकात के दौरान कहा था कि नये एनसीए में अन्य खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को भी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।

नई एनसीए में 100 पिचें होंगी, जिनमें 45 इनडोर टर्फ रहेंगे। इसकी खासियत ये है कि इसमें सभी प्रकार की पिचें हैं। जैसे ब्रिस्बेन के गाबा, डरबन के किंग्समीड या जो दुनिया के किसी भी अन्य स्टेडियम में देखी जाती हैं। भारतीय टीम विदेश दौरे पर जाने से पहले उन पिचों पर अभ्यास कर सकती है। जय शाह ने कहा कि हमें जो भी मिला, हम उसका सबसे अच्छा उपयोग करना चाहते थे।

दक्षिण अफ्रीका टीम में कई वरिष्ठ खिलाड़ी को जगह नहीं मिली

जोहान्सबर्ग (एजेंसी) । कई दिग्गज खिलाड़ियों को दरकिनार करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने आगामी 3 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। घोषित टीम में कई वरिष्ठ खिलाड़ी को स्थान नहीं मिला हैं। चयनकर्ताओं ने नई प्रतिभाओं को अवसर देने पर ध्यान केंद्रित करते हुये इस टीम का चयन किया है। यह टी-20 सीरीज 24 से 28 अगस्त तक खेली जाएगी। इसमें दिग्गज क्विंटन डी कॉक, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, तबरेज शम्सी और डेविड मिलर को टीम में जगह नहीं मिली हैं। वाल्टर ने कहा कि यह दौरा हमें अनुभवी खिलाड़ियों के कोर को बनाए रखते हुए अपने खिलाड़ियों के समूह को विकसित करने का मौका देता है। यह हमारी उभरती प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंदियों के सामने भी लाएगा, जैसा कि पिछली बार हमने मई में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था।टी20 में दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज 23 मैचों

में आमने-सामने हुए हैं। इन 23 मैचों में से दक्षिण अफ्रीका ने 12 जीते हैं जबकि वेस्टइंडीज 11 मौकों पर विजयी हुआ है।

दक्षिण अफ्रीका टी-20 टीम इस प्रकार है - एडेन मारक्रम (कप्तान), ओटनील बाटमैन, नंद्रे बर्गर, डोनोवन फेरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डूसन और लिजाद विलियम्स। दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद कोच रॉब वाल्टर के अनुसार, ये खिलाड़ी चोटों, कार्यभार प्रबंधन या चल रही टी-20 लीगों के कारण उपलब्ध नहीं थे।

दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के पहले मैच में खेलेंगे ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के पहले मैच में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शनिवार, 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार 26 वर्षीय पंत ने पहले मैच में खेलने की पुष्टि की है जिसमें उनकी टीम - पुरानी दिल्ली 6 का मुकाबला 17 अगस्त को अरुण जेटली स्टेडियम में आयुष बदोनी की कप्तानी वाली साउथ दिल्ली सुपरस्टार से होगा।

पंत के करीबी एक सूत्र के हवाले से कहा गया, %ऋषभ ने डीपीएलटी20 का पहला मैच खेलने के लिए सहमति जताई है, क्योंकि वह इस पहल का हिस्सा बनना चाहते हैं, जो दिल्ली में युवाओं को एक बेहतरीन मंच प्रदान करने की संभावना है। वह अपने करियर में दिल्ली क्रिकेट द्वारा निभाई गई भूमिका को स्वीकार करते हैं। हालांकि, उनके लिए खुद का ख्याल रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आने वाला टेस्ट सीजन लंबा है। देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए बेहतरीन फॉर्म में रहना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वह डीपीएल के पहले मैच के बाद लाल गेंद की ट्रेनिंग में वापस आ जाएंगे और सितंबर के पहले सप्ताह में दलीप ट्रॉफी से शुरू होने वाले लंबे प्रारूप के सीजन की तैयारी शुरू कर देंगे। डीडीसीए और पुरानी दिल्ली 6 प्रबंधन ऋषभ के इस कदम की सराहना करते हैं और उनकी प्रतिबद्धताओं का भी सम्मान करते हैं।%

डीपीएल 2024 में कुल 40 मैच होंगी जिसमें पुरुषों के टूर्नामेंट में 33 और महिलाओं के 7 मैच शामिल हैं। पुरुषों के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली छह टीमें पुरानी दिल्ली 6, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, वेस्ट दिल्ली लायंस और ईस्ट दिल्ली राइडर्स हैं। सभी मैच अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे और फाइनल मुकाबला 8 सितंबर को खेला जाएगा। पंत के साथ दिल्ली कैपिटल्स के साथी इशांत शर्मा और ललित यादव होंगे। इस बीच बदोनी की साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स में शुभम दुबे और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने हाल ही में आईपीएल में खेला है। डीपीएल में खेलने के बाद पंत 5 सितंबर से शुरू होने वाली दुलीप ट्रॉफी में अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली इंडिया बी टीम में शामिल होंगे।

खिलाड़ी से कोच बनने के लिए मानसिक रूप से तैयारी करनी होगी : श्रीजेश

कोच्चि ।भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।उन्होंने कहा कि अगले दो तीन महीने पर खिलाड़ी से कोच बनने के लिए खुद को तैयार करने पर बिताएंगे।यहां उनके स्वागत में हवाई अड्डे से पालारिवत्तोम तक रोडशो किया गया। श्रीजेश ने कहा, 'देश के लिए कड़ी मेहनत करके, कई कुर्बानियां देकर पदक जीता और यह सिर्फ मेरा नहीं बल्कि देश का

पदक है। इस खुशी का हिस्सा बनना सोने पे सुहागे जैसा है।खुशी दुगुनी हो गई है।' उन्होंने कहा, 'अब मुझे एक खिलाड़ी से एक कोच बनना है। इसके लिए मानसिक रूप से तैयारी करनी होगी। अगले दो तीन महीने वही करूंगा।' यहां पहुंचने पर श्रीजेश के स्वागत के लिए काफी भीड़ जमा थी जिनमें कई विधायक भी थे।लोगों ने हाथ में श्रीजेश की तस्वीर वाले प्लेकार्ड ले रखे थे। रोडशो के दौरान खुली जीप में श्रीजेश ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।उन्हें फूल, गुलदस्ते भेंट किये गए और लोगों में उनसे हाथ मिलाने की होड़ लगी थी। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया।अब वह जूनियर टीम के कोच होंगे।

लक्ष्मण एनसीए प्रमुख बने रहेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। वीवीएस लक्ष्मण अभी राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) प्रमुख बने रहेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लक्ष्मण का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। लक्ष्मण का करार अगले महीने सितंबर में समाप्त होने वाला था। वहीं ये भी अटकलें थीं कि लक्ष्मण किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी से मैंटोर के तौर पर जुड़ सकते हैं

पर ये बातें गलत निकलीं। लक्ष्मण ने एनसीए प्रमुख बने रहने को ही प्राथमिकता दी है। उनके साथ उनके सहयोगियों सितांशु कोटक, साईराज बहुतुले और ऋषिकेश कानितकर का भी कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। लक्ष्मण साल 2021 में एनसीए प्रमुख बने थे। लक्ष्मण से पहले राहुल द्रविड़ एनसीए प्रमुख थे। उस समय द्रविड को भारतीय टीम का मुख्य कोच बना दिया गया था। एनसीए अब शीघ्र ही नए परिसर में लगेगा।पहले यह चिन्नास्वामी स्टेडियम से चल रहा था। वहीं नये अत्याधुनिक एनसीए परिसर में कम से कम 100 पिच होंगी, जिसमें 45 इनडोर पिच भी शामिल हैं। तीन अंतरराष्ट्रीय आकार के मैदान, एक आधुनिक पुनर्वास केंद्र, आवास सुविधाएं और ओलिंपिक आकार के पूल के अलावा कई अन्य सुविधाएं भी इसमें शामिल हैं। एनसीए में ये सारे काम अपने अंतिम स्तर पर हैं और खिलाड़ियों को ये सारी सुविधाएं अगले साल की शुरुआत से मिलने लगेंगी। साल 2021 में द्रविड़ को टीम इंडिया के हेड कोच बनाए जाने के बाद एनसीए की जिम्मेदारी लक्ष्मण को सौंपी गई थी।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट के पहले दिन हावी रहे गेंदबाज

प्रोविडेंस स्टेडियम में सबसे अधिक विकेट गिरने का रिकार्ड बना

गयाना (एजेंसी)। यहां मेजबान वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल गेंदबाजों के नाम रहा और दिन भर में ही 17 विकेट गिर गये। ये प्रोविडेंस स्टेडियम में एक दिन में गिरने वाले सबसे अधिक विकेट हैं। इस मैच में अफ्रीकी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 160 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद वेस्टइंडीज ने भी पहली पारी में अपने 7 विकेट 97 रनों पर ही खो दिये। दिन का खेल समाप्त होने के समय जेसन होल्डर 33 रन बनाकर खेल रहे थे।

इस प्रकार पहले दिन ही दोनों टीमों के कुल मिलाकर 17 विकेट गिरे जिसमें से 15 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए हैं। पहले दिन खेले गए 82.2 ओवर में से 68 ओवर तेज गेंदबाजों ने ही किए थे। वेस्टइंडीज की ओर से तेज गेंदबाजों शमार जोसेफ ने 5 और जेडन

सील्स ने 3 विकेट लिए थे जबकि गुडकेश मोटी और जोसन होल्डर को एक-एक विकेट मिला।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से वियान मुल्डर ने 18 रन देकर 4 विकेट लिए थे। इनके अलावा स्पिनर नांद्रे बर्गर ने 2 और केशव महाराज ने 1 विकेट लिया। दोनों टीमों के शीर्ष 6 बल्लेबाजों में से केवल एक ही 30 रन से अधिक बना पाया।

इस मैच में वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ही 30 रन से ज्यादा बना पाये जबकि दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेविड बेडिंघम ने सबसे अधिक 28 रन और ट्रिस्टन स्टब्स ने 26 रन बनाए। इसके बाद किसी प्रकार डेन पीड्ट, और नांद्रे बर्गर ने टीम को 160 रनों तक पहुंचाया

पीड्?ट और बर्गर ने 10वें विकेट के लिए रिकॉर्ड 107 गेंदों पर 63 रन बनाये। पीड्?ट ने नाबाद 38 रन बनाए। वे टीम की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे। वहीं बर्गर ने 23 रन बनाए।

मेजबान वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। उसने 2 रन पर ही अपना पहला विकेट खो दिया। 50 रनों के अंदर ही उसने चार विकेट खो दिये। उसके बाद जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज को संभालने का प्रयास किया।

सरफराज को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं : सरफराज

मुम्बई ।बल्लेबाज सरफराज खान को अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम में टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।सरफराज को घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड के खिलाफ अवसर मिला था जहां उन्होंने अपनी पहली ही सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था।उसके बाद भी वह टीम में अपनी जगह बनाये नहीं रख पाये।सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ 2 तेज अर्धशतक लगाये थे।भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है।पहला टेस्ट 19 सितंबर से चेन्नई जबकि दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।सरफराज को अब अगले माह शुरु हो रही दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को प्रभावित करना होगा।

भाग्यश्री और सुमित होंगे पेरिस पैरालंपिक में भारत के ध्वजवाहक

नई दिल्ली ।पेरिस में 28 अगस्त से शुरु हो रही पैरालंपिक खेलों में भाग्यश्री जाधव और सुमित अंतिल भारत के ध्वजवाहक होंगे।इस बार के पैरालंपिक खेलों में भारत 84 सदस्यीय दल भेज रहा है।यह पैरालंपिक इतिहास में भारत का सबसे बड़ा दल है।इससे पहले टोक्यों ओलंपिक में 54 पैरालंपिक एथलीटों ने शिरकत की थी।भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने बताया कि इस बार भारत तीन नए स्पर्धा पैरा साईकिलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी हिस्सा ले रहा है।इन तीनों खेलों को मिलाकर भारत पैरालंपिक में कुल 12 खेलों में चुनौती पेश करेंगे। महाराष्ट्र की भाग्यश्री ने 2022 एशियाई पैरा खेलों में गोला फेंक एफ34 स्पर्धा में रजत पदक जीता था और टोक्यो पैरालंपिक में सातवें स्थान पर रही थीं। उन्होंने फेजा विश्व कप और विश्व पैरा एथलेटिक्स खेलों में भी पदक जीते थे।स्टार पैरा भाला फेंक एथलीट सुमित ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक में 68.55 मीटर के विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।इसके अलावा उन्होंने 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता तथा 2022 एशियाई खेल में 73.29 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

पेरिस पैरालिंपिक में भारत भेजेगा अपना सबसे बड़ा दल

पेरिस ।भारत इसी माह के अंत में पेरिस में शुरु हो रहे पैरालिंपिक खेलों में अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा।इसमें भारत के भी 84 खिलाड़ी भाग लेंगे।28 अगस्त से 8 सितंबर तक खेले जाने वाले इन खेलों में इसमें दुनिया भर के खिलाड़ी उतरेंगे। इस बार भारतीय दल में 30 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार पैरालिंपिक खेलों में भाग लेंगे। भारतीय दल में सबसे अधिक निशानेबाजी खिलाड़ी होंगे। ये

18 अगस्त को पेरिस रवाना होंगे। वहीं अन्य खिलाड़ी 25 अगस्त को पेरिस के लिए रवाना होंगे। इन खेलों में पिछले पैरालिंपिक के स्वर्ण विजेता सुमित अंतिल एवं भाग्यश्री को ध्वज वाहक की भूमिका मिल सकती है।भारतीय खिलाड़ी पहली बार यहां पैरा साइक्लिंग, ब्लाइंड जूडो और रोइंग खेलों में भाग लेंगे। पहली बार पैरालिंपिक में भाग लेने वाली खिलाड़ी हैं। तीरंदाज– शीतल देवी , पैरा एथलेटिक्स 400 मीटर टी20 दीप्ति, शाटपुट सचिन, रवि, अमीशा ,200 मीटर – प्रीति , क्लब थो 51 – प्रणव जैवलिन थ्रो – दीपेश कुमार, भावना बेन, डिस्कस थ्रो साक्षी, कंचन, 1500 मीटर – रक्षिता, बैडमिंटन शिवारंजन, नित्या श्री, शिवान, मनदीप कौर, मनीषा, मग्रसेन, साइक्लिंग – अशरद, ज्योति , ब्लाइंड जूडो – कपिल, कोकिला पावर लिफ्टिंग अशोक, राजामनी , रोइंग – अनिता, नारायणा, निहाल, मोना, अमीर अहमद, रूद्धाश।

'टीम को आपकी कमी खलेगी', हॉकी के दिग्गज श्रीजेश से संन्यास पर बोले पीएम मोदी

दुबई (एजेंसी) । नई दिल्ली ¬प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय हॉकी के दिग्गज पीआर श्रीजेश की प्रशंसा की और कहा, %टीम को उनकी कमी खलेगी% क्योंकि इस अनुभवी गोलकीपर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद अपने शानदार करियर को अलविदा कह दिया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने आवास पर भारतीय पेरिस ओलंपिक दल से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। श्रीजेश ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ मिलकर पीएम मोदी को अपनी मुलाकात के दौरान भारत की जर्सी और हॉकी भी भेंट की।

खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने श्रीजेश के संन्यास के फैसले के बारे में पूछा, 'श्रीजेश, क्या आपने पहले ही संन्यास लेने का फैसला कर लिया है?' श्रीजेश ने जवाब दिया, 'मैं पिछले कुछ सालों से संन्यास लेने के बारे में सोच रहा था। मेरे साथी अक्सर मजाकिया अंदाज में पूछते थे, 'आप कब जा रहे हैं?' मैंने पहली बार 2002 में राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया और 2004 में जूनियर स्तर पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। तब से मैं 20 वर्षों से अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि ओलंपिक जैसे भव्य मंच पर संन्यास लेना, जहां पूरी दुनिया एक साथ आती है, मेरे करियर को समाप्त करने का सबसे सही तरीका होगा।' प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, 'टीम आपको याद करेगी, और उन्होंने आपको शानदार विदाई दी है।' श्रीजेश ने आगे कहा, 'सेमीफाइनल हारने के बाद, टीम थोड़ी निराश थी। लेकिन जब हम आखिरी मैच के लिए मैदान पर उतरे, तो मेरे साथी एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाते रहे और कहते रहे, 'हमें श्रीजेश भाई के लिए यह जीतना है। मैंने उस ओलंपिक पोडियम से उनका धन्यवाद किया और हमारी जीत के बाद अपने संन्यास की घोषणा की।'

पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम ने कई बार शानदार हॉकी खेली; ऐसे प्रदर्शन जिसने उन्हें ओलंपिक में 52 वर्षों के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन किया, ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ टीम के हर एक सदस्य ने एक अविश्वसनीय प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 40 मिनट से अधिक समय तक एक खिलाड़ी के कम होने के बावजूद बचाव किया और पेनल्टी शूटआउट के लिए मजबूर किया और श्रीजेश की वीरता की बदौलत 4-2 से जीत हासिल की।

क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन के खिलाफ टीम के प्रदर्शन पर विचार करते हुए 10 गोल के साथ भारत के शीर्ष स्कोरर कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'पहले क्वार्टर के बाद यह कठिन था क्योंकि हमने एक खिलाड़ी खो दिया था, लेकिन हमारे कोचिंग स्टाफ ने अविश्वसनीय समर्थन दिया। ओलंपिक में कुछ भी हो सकता है, इसलिए हमने हर चुनौतीपूर्ण स्थिति की कल्पना की और चाहे कुछ भी हो, अपने गेम प्लान पर डटे रहे। टीम ऊर्जा से भरी हुई थी और किसी भी कीमत पर मैच जीतने के लिए दृढ़ थी। साथ ही 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को हराना अपने आप में एक उपलब्धि और एक बड़ा रिकॉर्ड था।'

पेरिस में कांस्य पदक जीतने के साथ भारतीय पुरुष टीम ने म्यूनिख में 1972 के ओलंपिक के बाद पहली बार हॉकी में बैक-टू-बैक पदक जीते और अपना 13वां समग्र ओलंपिक पदक हासिल किया।

AMNS इंटरनेशनल स्कूल के छात्रोंने 'लर्निंग कॉन्फ्लुएंस' में नवीन प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया

सुरत भूमि, सूरत-हजीरा ।

AMNS इंटरनेशनल स्कूल ने बहु-विषयक शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का जश्न मनाने वाली एक प्रदर्शनी 'लर्निंग कॉन्फ्लुएंस' की मेजबानी की। अगस्त 15, 2024, स्वतंत्रता दिन के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम विद्यालय की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार, और वैश्विक दृष्टिकोण वाले छात्रों का विकास करना शामिल है।

लर्निंग कॉन्फ्लुएंसने छात्रों को कई प्रोजेक्ट्स के माध्यम से अपनी बौद्धिक जिज्ञासा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया, जो वैश्विक और स्थानीय दृष्टिकोण के समृद्ध मिश्रण को दर्शाता है।

11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों ने विभिन्न विषयों के ज्ञान का संयोजन करते हुए बहुआयामी प्रोजेक्ट्स पर काम किया। उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए, जैसे कि सांस्कृतिक अर्थशास्त्र, जिसमें आर्थिक प्रणालियों पर संस्कृति के प्रभाव का पता लगाया गया, महिला उद्यमियों, जिसने महिला नेताओं की अभिनव भावना को प्रदर्शित किया, और मेगा किचन, जिसने बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादन की रसद और अर्थशास्त्र की जांच की। अन्य उल्लेखनीय प्रोजेक्ट्स में वैश्विक मुद्रा के रूप में रुपया, ब्रिक्स अर्थव्यवस्था, भारत की सफलता की कहानी, मूनलाइटिंग, तनाव और माता-पिता-बच्चे के रिश्ते, रोबोट मॉडल और बहुत कुछ शामिल हैं।

दसवीं कक्षा के छात्रों ने एथलेटिकवाद और प्रतिस्पर्धा की जटिलताओं का विश्लेषण करते हुए "एक आवश्यक कांच के माध्यम से खेल" विषय की खोज की। उनके प्रोजेक्ट्स में स्वदेशी खेलों की खोज की गई, जिसमें उनके इतिहास, स्थलाकृति, तकनीक, वैज्ञानिक सिद्धांतों और सामाजिक प्रभाव को शामिल किया गया।

सुनीता मटू प्रधानाचार्य, AMNS इंटरनेशनल स्कूल ने कहा, "लर्निंग कॉन्फ्लुएंस प्रदर्शनी हमारे छात्रों की क्षमता को पूरी तरह से प्रदर्शित करती है। उनके प्रोजेक्ट्स सिर्फ अकादमिक अभ्यास नहीं हैं, बल्कि आलोचनात्मक और रचनात्मक रूप से सोचने और उनके आसपास की दुनिया के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता का प्रतिबिंब हैं। शिक्षक के रूप में, हमें उनकी प्रतिभा का पोषण करने और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की राह दिखाने में मदद करने पर गर्व है।"

कक्षा 9 के छात्रों ने "युद्ध और शांति" विषय का गहन अध्ययन किया, जिसमें संघर्ष और समाधान की कहानियों पर गहराई से विचार किया। उन्होंने इतिहास में हुए युद्धों के कारणों, युद्ध में उपयोग होने वाले उपकरणों और वैज्ञानिक तंत्रों का विश्लेषण किया, और आज की दुनिया में शांति की प्रासंगिकता पर विचार प्रस्तुत किया।

कक्षा 8 के छात्रों ने एक डिपार्टमेंटल स्टोर की दुनिया का गहराई से अध्ययन किया, जहां उन्होंने डैशबोर्ड इन्वेंट्री तैयार की और विज्ञापन व जिंगल बनाए। उन्होंने प्रवास के जटिल पहलुओं की भी पड़ताल की, साक्ष्यिकी डेटा का उपयोग करके ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के भीतर और भारत व अन्य देशों के बीच प्रवासन पैटर्न को समझाया।

विश्व शांतिदूत महाबोधि बुद्ध विहार में स्वतंत्रता दिवस एवं लोक कवि वामन कर्डक जयंती मनाई गई

सुरत भूमि, सूरत। लिंबायत निलगीरी शांती नगर स्थित विश्व शांतिदूत महाबोधि बुद्ध विहार में 78वा स्वतंत्रता दिवस तथा लोक कवि वामन कर्डक जयंती महोत्सव मनाया गया। बुद्ध विहार के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष झाड़े ने ध्वजारोहण कर उपस्थित महानुभावों के साथ तीरंगा को सलामी देकर लोक कवि वामन कर्डक की 102वी जयंती महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में शामिल महानुभावों में प्रभाकर नागमल, गोविंद पॉपलीसकर, आर,के सोनवने, दीलिप शिरसाठ, सुभाष धुरंधर, जीतेश सुरवाडे, धनसूख पवार, संजय बोरकर, महीला उपासिका संघ,ने राष्ट्रीय ध्वज वंदना के बाद लोक कवि वामन कर्डक जी की जयंती महोत्सव के चलते डा बाबा साहेब अम्बेडकर, महात्मा ज्योतिबा फूले, तथा अन्य महानुभावों के फोटो पर पुष्प अर्पित कर त्रिशरण पंच शिल धारन कर जयंती महोत्सव मनाया। कार्यक्रम के चलते उपस्थित महानुभावों का स्वागत श्रीकृष्ण वानखेड़े, गणेश अंभोरे, संजय पवार, रवी वानखेड़े, बालू सोनवने, सुनील वानखेड़े, राजेंद्र तायडे ने कीया।

"फूल बंगले" में विराजे बाबा श्याम

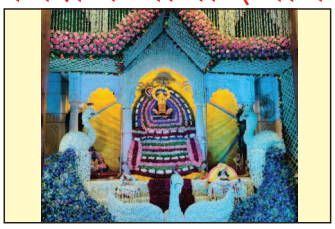

सूरत भूमि, सूरत। सावन मास की शुक्ल एकादशी के उपलक्ष में वीआईपी रोड, वेसु स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में शुक्रवार को फूल बंगला सजाया गया। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कपीश खाटूवाला ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा वृन्दावन के "फूल बंगलेज्ज की तर्ज पर श्याम मंदिर प्रांगण को सजाया गया एवं बाबा श्याम का अद्भुत श्रृंगार किया गया। इस मौके पर कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा जूही के फूलों से बाबा का "फूल बंगला" सजाया गया। भक्तों को शनिवार द्वादशी के मौके पर भी "फूल बंगले" का दर्शन होगा। फूल बंगले का दर्शन करने के लिए देर रात तक भक्तों का ताँता लगा रहा ।

सूरत में छह दिवसीय नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन

सुरत भूमि, सूरत।

सूरत के सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में छह दिवसीय नेशनल सिल्क एक्सपो आयोजित किया गया है। 15 अगस्त से शुभारंभ होनेवाले नेशनल सिल्क एक्सपो में महिलाओं के लिए सिल्क, कोटन साड़ी, डिजाइनर एथेनिक ड्रेस, ड्रेस मटेरियल्स, होम लिनन सहित अलग अलग वेरायटिया एक जगह उपलब्ध होगा। 15 से 20 अगस्त तक चलने वाला यह नेशनल सिल्क एक्सपो सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। इसकी खासियत है कि इसमें पूरे भारत से 150 से ज्यादा मास्टर वीवर्स और श्रेष्ठ डिजाइनर्स की कारीगरी आपको देखने को मिलेंगी।

शादी और रक्षाबंधन सीजन के लिए स्पेशल साड़ी और सूट नई डिजाइन के साथ लेटेस्ट वेरायटी उपलब्ध है। साथ ही साथ 40 प्रतिशत तक का डिस्काउंट भी मुहैया करवाया जाएगा। यहां तरह-तरह के डिजाइन के साथ अच्छी क्वालिटी की साड़ी, सूट और कपड़े हैं। एक जगह पर कई राज्यों के बुनकरों द्वारा तैयार कपड़े का काउंटर लगाए जाएंगे। जिससे कि अलग -अलग दुकान में खरीदारी करने की झंझट से मुक्ति मिलेगी। च्अलग-अलग डिजाइन का अलग-अलग रेट है, जो लोग खरीदारी कर रहे हैं अपने बजट के अनुसार खरीदारी कर सकेंगे। साथ ग्राहकों को भुगतान करने के लिए डिबेट कार्ड, क्रेडिट कार्ड सहित कई विकल्प उपलब्ध होंगे।

नेशनल सिल्क एक्सपो में बिहार, आसाम, ओड़िसा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाणा, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश से लोकप्रिय वैरायटी की साड़ियां एवं ड्रेस मटेरियल उपलब्ध होंगे। जिसमें तरह तरह के डिजाइन्स, पैटन्स, कलर कॉम्बिनेशन है। जिसमें 15 हजार से लेकर 2 लाख तक की गुजरात की डबल इक्कत हैंडमेड पटोला साड़ी उपलब्ध है, जो आठ महीने में तैयार होती है। इसे दो बार बुना जाता है। तमिलनाडु की प्योर जरी वर्क की कांजीवरम साड़ी भी महिलाओं को लुभाएगी। बनारस के बुनकर अपनी साड़ीयों को नए जमाने के हिसाब से लोकप्रिय बनाने के लिए कई तरह के प्रयोग करते रहते हैं। कभी वे बनारसी साड़ीयों पर बाग की छपाई करवाते है तो अब वे बनारसी सिल्क साड़ीयों पर महाराष्ट्र की पैठणी साड़ीयों के मोटिफ बुन रहे हैं। वैसे पारंपरिक बनारसी जरी और कढ़वा बूटी साड़ीयों से लेकर तनछोई सिल्क तक कई तरह की वैरायटी एक हजार से लेकर पांच हजार तक इस सेल में मिल रही है।

रेशम की बुनाई के लिए मशहूर बिहार के भागलपुर से कई बुनकर शादी सीजन जैसे खास मौके पर पहने जाने वाले कुर्ता व पायजामा के लिये खास हाथ से बने हुये भागलपुर सिल्क व मोदी जैकेट का कपड़ा भी उपलब्ध है। तमिलनाडु की प्योर जरी वर्क की कांजीवरम साड़ी भी महिलाओं का पसंद आ रही है। सोने और चांदी के तारों से बनी इस साड़ी को कारीगर 30 से 40 दिन में तैयार करते हैं जिसकी कीमत 5 हजार से शुरु होकर 2 लाख होती है।

सांत्वन न्यून सोसायटी में किया झंडारोहण

सूरत भूमि, सूरत। पालनपुर स्थित सांत्वन न्यून सोसायटी में वरिष्ठ सदस्यों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस के मौके पर प्रथम बार झण्डा रोहण किया गया। आयोजन में सोसायटी की सभी विंग के बच्चों एवं महिलाओं द्वारा देश भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

केरल टूरिज्म ने त्योहारों और छुट्टियों के मौसम को देखते हुए नए प्रॉडक्ट्स पेश किए

सुरत भूमि, सूरत । केरल टूरिज्म ने आगामी त्योहारों और सर्दियों की छुट्टियों के मौसम में घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई नए प्रॉडक्ट्स और पैकेजेज पेश किये हैं। केरल टूरिज्म तेजी से वृद्धि की राह पर बढ़ रहा है। इसलिए आज बी2बी मीट होटल ली मेरिडियन, ड्युस रोड, सूरत में आयोजित की गई। नई परियोजनाओं के साथ-साथ, समुद्र तट, हिल स्टेशन, हाउसबोट और बैकवाटर सेगमेंट जैसी राज्य के मुख्य आकर्षण केंद्र पर्यटकों को आकर्षित करते रहेंगे। केरल में पर्यटन का अनूठा आकर्षण पर्यटकों के लिए हाउसबोट, कैरावैन स्टेज, प्लांटेशन विजिट, जंगल लॉज, होमस्टे, आयुर्वेद-आधारित वेलनेस सॉल्यूशन, एडवेंचर गतिविधियां, ग्रामीण इलाकों की सैर और हरी-भरी पहाड़ियों पर ट्रैकिंग जैसी गतिविधियां पर्यटकों को अलग तरह के अनुभव का एहसास करने का मौका देती हैं।

महामारी से प्रभावित पर्यटन उद्योग को पटरी पर लाने में केरल की कोशिश घरेलू आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि से जाहिर होती है। कोविड-पूर्व समय में, वर्ष 2019 में राज्य में सबसे ज्यादा विदेशी और घरेलू पर्यटकों पहुंचे थे, जो 24 वर्षों में सर्वाधिक था। 2019 में कुल पर्यटकों की संख्या 1,95,74,004 रही थी, जिसमें 1,83,8 4,233 घरेलू पर्यटक जबकि 11,89,771 विदेशी पर्यटक थे।

वर्ष 2023 में, घरेलू पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई और कुल 21,871,641 लोगों ने राज्य का दौरा किया। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या 6,49,057 रही।

वर्ष 2024 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में, केरल में 50,37,307 घरेलू पर्यटक पहुंचे, जो पिछले साल की इसी अवधि के 49,36,274 पर्यटकों के मुकाबले 2.05 फीसदी अधिक हैं। पर्यटकों की यह बढ़ती संख्या पर्यटकों के बीच केरल के आकर्षण को जाहिर करती है। साथ ही यह विदेश पर्यटकों के लिए भी समान रूप से आकर्षण का क्षेत्र बना हुआ है और उनकी संख्या में हो रही लगातार वृद्धि के 2025 तक कोविड-पूर्व स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।

पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि पर्यटकों का आकर्षण केवल समुद्र तटों, बैकवाटर और हिल स्टेशनों तक ही सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, "हम हर मौसम में मेहमानों का स्वागत करने वाले गंतव्य के रूप में केरल की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए बड़ी ही सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारे नए प्रोडक्ट्स एवं पैकेजेज पर्यटकों में नई रुचि जगाएंगे क्योंकि यह केरल को सभी लोगों के लिए एक आकर्षक अनुभव वाले पर्यटक आकर्षण का केंद्र बनाती है, चाहे वह एक उच्च श्रेणी का पूरी दुनिया घूमने वाले पर्यटक हो या फिर एक हनीमून मनाने वाला कपल, या एक बैकपैकर या फिर एडवेंचर की तलाश में घूमने वाला पर्यटक।"

पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की लगातार कोशिशों की वजह से केरल टूरिज्म के डिजिटल मार्केटिंग अभियान को प्रतिष्ठित पीएटीए गोल्ड अवार्ड मिला। वहीं द न्यूयॉर्क टाइम्स ने केरल को '2023 में जरूर घूमने लायक 52 स्थानों' की सूची में जगह दी।

एशिया का सबसे बड़ा पर्यटन कार्यक्रम, केरल ट्रैवल मार्ट, राज्य के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सितंबर में आयोजित होने वाला है। इस आयोजन के लिए 1,500 से अधिक घरेलू खरीदार और 650 विदेशी खरीदार पहले ही पंजीकरण करा चुके हैं।

केरल अक्टूबर में जेंडर-इनक्लूसिव पर्यटन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा। इसमें जिम्मेदार पर्यटन योजना के माध्यम से पर्यटन में भागीदारी विकास को बढ़ावा देने में राज्य की सफलता दिखाई जाएगी। साथ ही महिला यात्रियों के सामने आने वाली समस्याओं को भी हल किया जाएगा।

केरल सरकार के पर्यटन सचिव बीजू के ने कहा, "हम पूरे केरल को स्थायी, परस्पर जुड़े पर्यटन स्थल में बदल रहे हैं, जहां आगंतुकों को राज्य में बिताए कुछ दिनों के भीतर बहुत सारे विकल्प और तरह-तरह के अनुभव मिलेंगे।"

उन्होंने कहा, "यह केरल के ग्रामीण इलाकों और कम-ज्ञात स्थानों के लुभावने आकर्षण को सामने रखते हुए आज के जमाने के पर्यटकों के प्रवास को आरामदायक, तरोताजा करने वाला, सुरक्षित और सीखने का अनुभव बना देगा।"

नई पेशकशों में हेली-टूरिज्म भी शामिल है, जिसे गेम चेंजर के रूप में देखा गया है। परियोजना-स्काई इनिशिएटिव- का उद्देश्य राज्य के शीर्ष पर्यटन स्थलों की एक दिवसीय यात्रा का अनुभव कराना है। एक और पेशकश कारवां पर्यटन के तौर पर - केरवां केरल - जो पर्यटन को राज्य के भीतरी और ग्रामीण इलाकों का भ्रमण कराता है।

पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए केरल में टूर ऑपरेटर और होटल व्यवसायी त्योहार और सर्दियों की छुट्टियों के मौसम के लिए आकर्षक पैकेज की पेशकश कर रहे हैं। इसके साथ-साथ, आगामी छुट्टियों के मौसम में अंतर्राष्ट्रीय बुकिंग में भी वृद्धि देखी जा रही है।

देशभक्ति कार्यक्रम "क्रांतिवीर" का हुआ आयोजन

सुरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सुबह ग्यारह बजे ध्वजारोहण सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल द्वारा किया गया। इसके पश्चात ट्रस्ट युवा व महिला शाखा द्वारा रंगारंग प्रासंगिक देशभक्ति कार्यक्रम- क्रांतिवीर का अग्रसेन पैलेस, द्वारका हाल में मंचन किया गया। जिसके माध्यम से वीर अमर स्वतंत्रता सेनानी सुभाषचंद्र बोस सहित भारत माता के अनेकों वीर सपूतों का जीवन चरित एवं बलिदान को स्मरण किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष संजय सरावगी, सहसचिव दिनेश बंसल, कोषाध्यक्ष शशीभूषण जैन, सह-कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल, युवा शाखा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

लैंक्सेस इंडिया को मिले दो ग्लोबल एनवायरनमेंट एण्ड एनर्जी फाउंडेशन (जीईईएफ) ग्लोबल अवार्ड्स

मुंबई। लैंक्सेस इंडिया ने ग्लोबल एनवायरनमेंट एण्ड एनर्जी फाउंडेशन (जीईईएफ) के दो ग्लोबल अवार्ड्स प्राप्त किये हैं। साल 2024 के लिये कंपनी को प्लैटिनम कैटेगरी में सेफ्टी अवार्ड और सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट कैटेगरी में वाटरटेक अवार्ड प्रदान किये गये हैं। यह पुरस्कार सुरक्षा के मानकों में उत्कृष्टता और जल प्रबंधन के तरीकों में संवहनीयता के लिये हमारी प्रतिबद्धता का सबूत है।

नई दिल्ली में 26 जुलाई, 2024 को हुए एक भव्य समारोह में लैंक्सेस इंडिया की ओर से पीटीएसई के पूर्णकालिक निदेशक एवं प्रमुख बलराम खोट और पीटीएसई- ऑक्युपेशन सेफ्टी, एक्ज़ैक्ट, रिस्पॉन्सिबल केयर एण्ड ट्रेड कॉम्प्लायंस के सीनियर मैनेजर भरत मौसाला ने यह पुरस्कार प्राप्त किये। जीईईएफ ग्लोबल सेफ्टी अवार्ड्स केमिकल उद्योग में सुरक्षा के उच्चतम मानक बनाये रखने में लैंक्सेस इंडिया की उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हैं। प्लैटिनम कैटेगरी में जीत अपने सभी कर्मचारियों एवं साझीदारों के लिये काम का सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिये कंपनी का समर्पण दिखाती है। स्वास्थ्य की सुरक्षा, व्यावसायिक एवं प्रक्रिया की सुरक्षा पर लैंक्सेस के सामूहिक निर्देश कठोर हैं। यह निर्देश मुख्य रूप से जोखिमों की पहले से पहचान करने और दुर्घटनाओं को रोकने तथा उनका तेजी से पता लगाकर प्रतिक्रिया देने के उपायों पर कार्यान्वयन के लिये हैं। सुरक्षा प्रणालियों की मुख्य विशेषताओं में परिचालन विधियों के निर्माण में कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी, कार्य के समय सुरक्षा का विश्लेषण, व्यवहार पर आधारित सुरक्षा कार्यक्रमों पर अधिक ध्यान देना, काम की अनुमति के लिये कठोर प्रणालियाँ, ठेकेदार प्रबंधन प्रणालियाँ, कर्मचारी का स्वास्थ्य सुधारने के कार्यक्रम, तकनीकी नियंत्रण के मजबूत उपायों पर क्रियान्वयन, असुरक्षित स्थितियों और असुरक्षित कार्यों की सूचना पर अधिक ध्यान देना, दुर्घटना प्रबंधन प्रणाली, प्रशिक्षण एवं प्रभाव की जाँच शामिल हैं।

सस्टेनेबल वाटर मैनजमेंट कैटेगरी में ग्लोबल वाटरटेक अवार्ड जल के संवहनीय प्रबंधन के लिये लैंक्सेस इंडिया का अभिनव तरीका दिखाता है। लैंक्सेस की रणनीति में पानी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। एक केमिकल कंपनी होने के नाते उस पर पानी की खपत को अपनी ही आर्थिक वृद्धि से अलग करने की जिम्मेदारी है और उसके लक्ष्य भी स्पष्ट हैं: कुल मिलाकर जल विशेष और स्थानीय जल की खपत कम करना, खासकर उन जगहों में, जहाँ पानी की कमी है। इसके लिये लैंक्सेस के कार्यस्थलों पर नियमित रूप से वाटर रिस्क एनालीसिस किया जाता है, ताकि 'वाटर स्ट्रेस' का सही मापन किया जा सके। इसका आशय पानी की निकासी और पानी के नवीकरण-योग्य स्रोतों से है।

बादाम से मिलने वाली सेहत और अच्छाइयों के साथ भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव मनायें

रक्षाबंधन से त्योहारों की शुरुआत होती है। यह भाई-बहन के प्यार का त्योहार है। इस दिन बहनें अपने भाई को राखी बांधती हैं और भाई की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। बदले में, भाई अपनी बहन की रक्षा करने का वादा करता है। हम इस त्योहार को और खास बनाने के लिए कुछ अच्छा काम भी कर सकते हैं। जैसे कि, हम रोजाना बादाम खा सकते हैं क्योंकि बादाम सेहत के लिए बहुत अच्छे होते हैं।

त्यौहार और जश्न के दौरान ढेर सारे मीठे पकवान और अस्वास्थ्यकर स्नैक्स खाना आम होता है, इन्हें खाते वक्त हमें यह भी ध्यान नहीं रहता कि ये हमारी सेहत को कितना प्रभावित कर सकते हैं। शक्कर और तेल वाली चीजें ज्यादा खा लेने से सेहत बिगड़ सकती है, जैसे कि डायबिटीज, मोटापा और कार्डियोवैस्कुलर जैसी गंभीर समस्यायें हो सकती हैं। ऐसे में खाने की सही चीजों को चुनना महत्वपूर्ण हो जाता है।

इसलिये, जब आप त्यौहार की खुशी मनाने और अपने परिवार के लिये खास पकवान बनाने की तैयारी करें, तब उनमें बादाम जैसी सेहतमंद चीजों को शामिल करना भी सुनिश्चित करें। बादाम काफी पौष्टिक होती हैं। वे ब्लड शुगर लेवल्स को मैनेज करने, एलडीएल और टोटल कोलेस्ट्रॉल को कम करने, दिल की बढ़िया सेहत बनाये रखने और कुल मिलाकर तंदुरुस्ती में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा, रिफाइंड शुगर की जगह नैचुरल स्वीटनर्स का इस्तेमाल करें और डीप-फ्राय चीजों के बजाए बेक की हुई चीजें चुनें। समझदारी से भरे यह फैसले करने से आप अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए अपने प्रियजनों के साथ जश्न का मजा ले सकते हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने रक्षाबंधन मनाने के लिये अपना तरीका बताते हुए कहा, "रक्षाबंधन मेरे और मेरे परिवार के लिये एक बेहद खास दिन है। हर साल हम मिल-जुलकर त्यौहार मनाते हैं और सभी रीति-रिवाज निभाने के बाद खाना खाते हैं। मैं इसका विशेष ध्यान रखती हूँ कि मैं और मेरा परिवार क्या खाते हैं और इसलिये मैं हर साल एक खास मिठाई ग्रिल्ड आमंड बर्फी बनाती हूँ। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहतमंद भी है। मैं दूसरी रेसिपीज में भी बादाम जैसी सामग्रियां डालती हूँ, क्योंकि उनसे न सिर्फ स्वाद बढ़ता है, बल्कि यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं।"

मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली में डायटेटिक्स की रीजनल हेड ऋतिका समद्दार ने कहा, "रक्षाबंधन जैसे त्यौहारों में लोग अक्सर सेहत को नुकसान पहुँचाने वाली चीजें खा लेते हैं और वे इस बात पर गौर भी नहीं करते कि इससे उनकी सेहत तथा वजन पर क्या असर पड़ेगा। मेरा सलाह है कि त्यौहारों का मजा हेल्दी तरीके से लिया जाना चाहिये और इसके लिये बादाम जैसी चीजों को चुना जा सकता है। बादाम में जरूरी पोषक-तत्व होते हैं और वह सेहत को नुकसान पहुँचाने वाली चीजों का विकल्प बन सकती हैं। बादाम को विभिन्न पकवानों में मिलाकर उन्हें ज्यादा सेहतमंद भी बनाया जा सकता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा रिलीज इस साल की 'डाइटरी गाइडलाइंस फॉर इंडियन्स' बताती हैं कि बादाम एक पौष्टिक नट है, जिसे अच्छी सेहत के लिये रोजाना खाया जा सकता है। यह गाइडलाइंस संतुलित आहार के तहत प्लांट प्रोटीन के सोर्स और हेल्दी स्नैक, दोनों के तौर पर बादाम को नियमित रूप से खाने का समर्थन करती हैं, ।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)